SSC GD Constable Exam Day Based Paper Mock 2

Q.1 2019 के मार्च और दिसंबर के महीनों में रविवार की कुल संख्या का योग क्या होगा?

A. 9
B. 7
C. 10
D. 8

Answer: C

Sol: **दी गई जानकारी:**
वर्ष = 2019 (गैर-लीप वर्ष)
1 जन, 2019 = मंगलवार
1. मार्च 2019 में रविवार
मार्च में 31 दिन होते हैं। 2019 में, 1 मार्च को शुक्रवार था.
मार्च 2019 में रविवार थे:
3 मार्च
10 मार्च
17 मार्च
24 मार्च
31 मार्च
मार्च में कुल **रविवार = 5**
2. दिसंबर 2019 में रविवार
दिसंबर में भी 31 दिन होते हैं। 2019 में, 1 दिसंबर को रविवार था.
दिसंबर 2019 में रविवार थे:
1 दिसंबर
8 दिसंबर
15 दिसंबर
22 दिसंबर
29 दिसंबर
दिसंबर में कुल **रविवार = 5**
3. योग की गणना
कुल = मार्च में रविवार + दिसंबर में रविवार
कुल = 5 + 5 = 10
सही उत्तर:
C) 10

Q.2 यदि 'A' का अर्थ '÷' है, 'B' का अर्थ '×' है, 'C' का अर्थ '+' है और 'D' का अर्थ '-' है, तो निम्नलिखित समीकरण में प्रश्नवाचक चिन्ह '?' के स्थान पर क्या आएगा?
29 B 6 C 243 A 9 D 33 = ?

A. 171
B. 168
C. 166
D. 173

Answer: B

Sol: **दिया गया है**: 29 B 6 C 243 A 9 D 33 = ?

दिए गए अक्षरABCD

नया चिन्ह ÷ × + -

BODMAS नियम का उपयोग करने पर।

Operation preference wise	Symbol
Brackets	$[], , ()$
Orders, of	$(power), \sqrt{}(root), of$
Division	$\div$
Multiplication	$\times$
Addition	$+$
Subtraction	$-$

नया समीकरण: 29 × 6 + 243 ÷ 9 - 33 = ?
29 × 6 + 27 - 33 = ?
174 + 27 - 33 = ?
201 - 33 = ?
? = **168**

Test Prime By Adda247

ALL EXAMS, ONE SUBSCRIPTION

Test. Analyze. Improve. Repeat.

Don't just prepare. Perform.

Test Prime — built only for mock tests.

1,50,000+ Mock Tests

25,000+ Previous Year Papers

800+ Exam Covered

500% Refund on Selection

5 lakh+ Free Quizzes

Daily Free PDFs

Job Alerts Stay Updated

- Multilingual
- Detailed Solution
- Strong and Weak Areas

All India Rankings

Compete with lakhs.
Rank. Improve. Repeat.

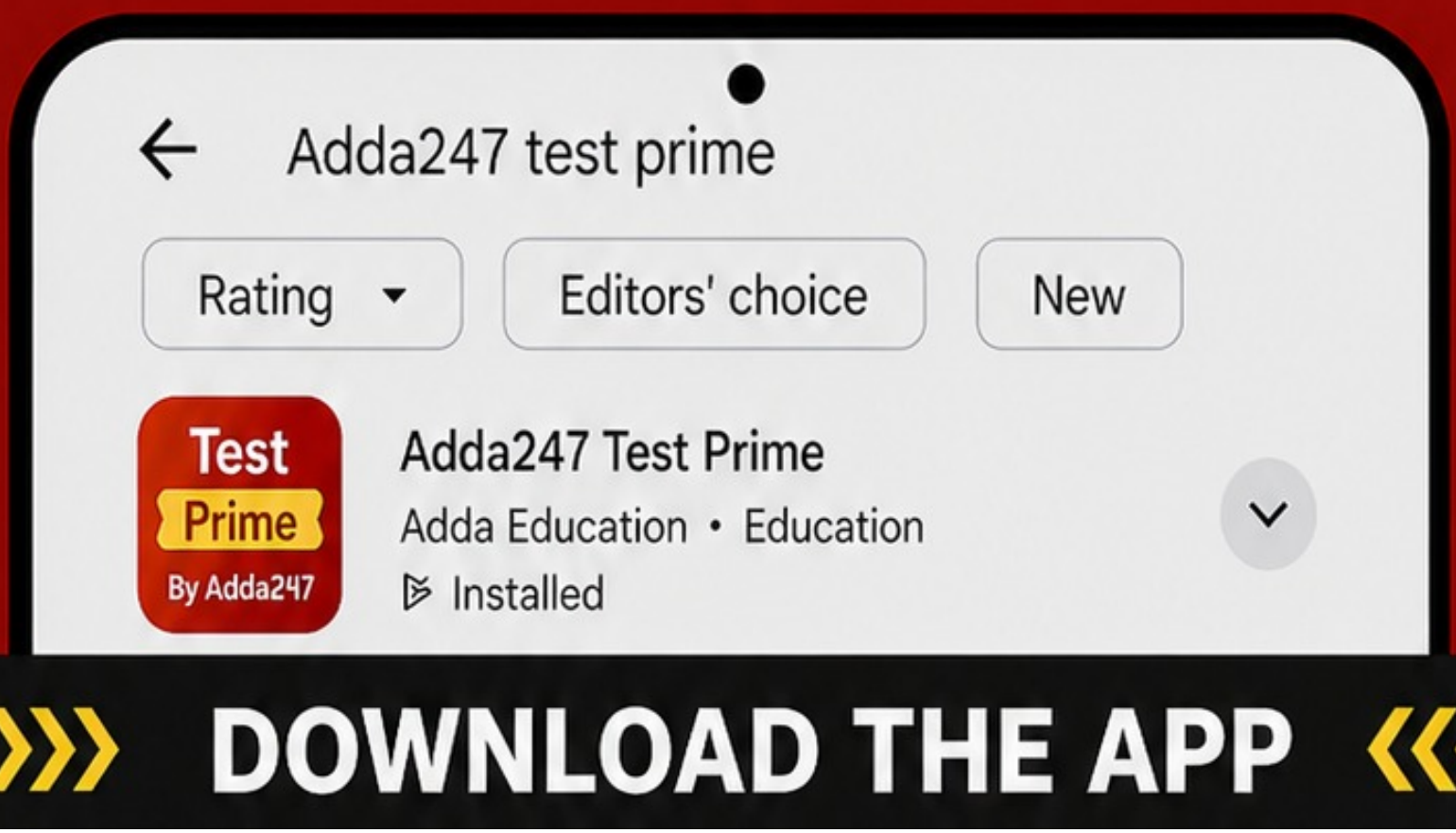

DOWNLOAD THE APP

इस प्रकार, सही विकल्प (b) है।

Q.3 दी गई श्रृंखला में प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर क्या आना चाहिए?
42, 48, 57, 69, 84, ?

A. 105
B. 102
C. 96
D. 99

Answer: B

Sol: **दी गई जानकारी:**
श्रृंखला: 42, 48, 57, 69, 84, ?

तर्क:
अंतर हर बार +3 बढ़ता है

व्याख्या:
तर्क: क्रमागत अंतरों की जाँच करें

48−42 = 6
57−48 = 9
69−57 = 12
84−69 = 15
अगला अंतर = 18

84 + 18 = 102

अंतिम उत्तर:
102

अंतिम सही विकल्प:
B

Q.4 एक निश्चित कूट भाषा में,
A + B का अर्थ है **'A, B** की बहन है',
A @ B का अर्थ है **'A, B** का भाई है',
A - B का अर्थ है **'A, B** की पत्नी है',
और **A # B** का अर्थ है **'A, B** का पिता है'।
यदि **'O + P - T # G @ V'** है, तो **O, V** से किस प्रकार संबंधित है?

A. बहन
B. माता
C. मौसी
D. नानी

Answer: C

Sol: **दिया गया है**: एक निश्चित कूट भाषा में,
A + B का अर्थ है 'A, B की बहन है',
यदि 'O + P - T # G @ V' है?

प्रतीक + @ - #

संबंध बहनभाईपत्नीपिता

Symbol in Diagram	Meaning
- / O	Female
+/ □	Male
═	Married Couple
—	Siblings
|	Difference Of Generation

दी गई जानकारी से रक्त संबंध आरेख होगा।

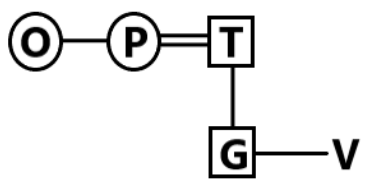

इसलिए, O, V की **मौसी (माँ की बहन)** है।
इस प्रकार, सही विकल्प (c) है।

Q.5 सात व्यक्ति **E, F, G, H, W, X** और **Y** एक वृत्ताकार मेज के चारों ओर मेज के केंद्र की ओर मुख करके बैठे हैं। **Y, W** के ठीक दाएँ बैठा है। **H, E** के ठीक बाएँ बैठा है। **F, E** के दाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है। **G, Y** के बाएँ से तीसरे स्थान पर बैठा है। **X** के दाएँ से दूसरे स्थान पर कौन बैठा है?

A. H
B. E
C. G
D. F

Answer: B

Sol: **दिया गया है** - सात व्यक्ति E, F, G, H, W, X और Y एक वृत्ताकार मेज के चारों ओर मेज के केंद्र की ओर मुख करके बैठे हैं।
Y, W के ठीक दाएँ बैठा है।

H, E के ठीक बाएँ बैठा है।

F, E के दाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है।

G, Y के बाएँ से तीसरे स्थान पर बैठा है।

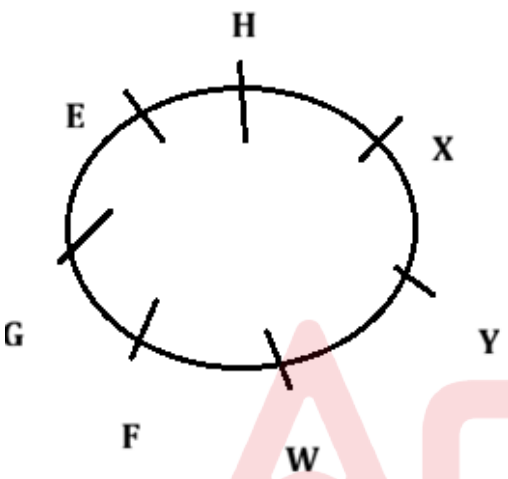

E, X के दाएँ से दूसरे स्थान पर बैठा है।

Q.6 सात मित्र **G, H, I, J, L, M** और **N** एक वृत्ताकार मेज के चारों ओर मेज के केंद्र की ओर मुख करके बैठे हैं। **G** के दाएँ से गिनने पर **N** और **G** के बीच केवल तीन व्यक्ति बैठे हैं। **J, N** के ठीक दाएँ बैठा है। **J** के बाएँ से गिनने पर **J** और **M** के बीच केवल तीन व्यक्ति बैठे हैं। **L, H** के ठीक दाएँ बैठा है। **H** के बाएँ से गिनने पर **I** और **H** के बीच कितने व्यक्ति बैठे हैं?

A. तीन
B. चार
C. दो
D. एक

Answer: C

Sol: **दिया गया है** - सात मित्र G, H, I, J, L, M और N एक वृत्ताकार मेज के चारों ओर मेज के केंद्र की ओर मुख करके बैठे हैं।
G के दाएँ से गिनने पर N और G के बीच केवल तीन व्यक्ति बैठे हैं।
J, N के ठीक दाएँ बैठा है।
J के बाएँ से गिनने पर J और M के बीच केवल तीन व्यक्ति बैठे हैं।
L, H के ठीक दाएँ बैठा है।

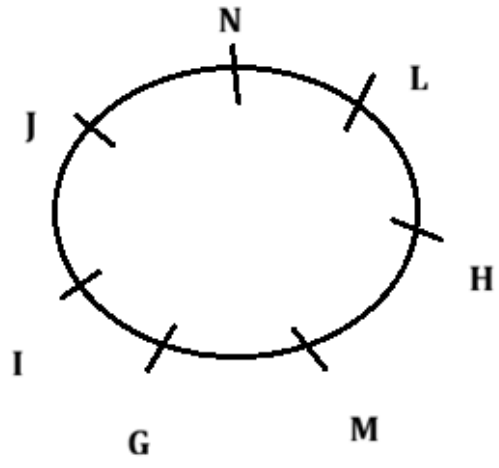

H के बाएँ से गिनने पर I और H के बीच 2 व्यक्ति बैठे हैं।

Q.7 A, B, C, D, E और F एक गोलाकार मेज के चारों ओर केंद्र की ओर मुख करके बैठे हैं। D, B के बाईं ओर दूसरे स्थान पर बैठा है। E, F के दाईं ओर दूसरे स्थान पर बैठा है। C, D के ठीक दाईं ओर है। A के ठीक बाईं ओर कौन बैठा है?

A. F
B. E
C. B
D. C

Answer: A

Sol: **दिया गया है**:
A, B, C, D, E और F एक गोलाकार मेज के चारों ओर केंद्र की ओर मुख करके बैठे हैं।
D, B के बाईं ओर दूसरे स्थान पर बैठा है।
E, F के दाईं ओर दूसरे स्थान पर बैठा है।
C, D के ठीक दाईं ओर है।
दी गई जानकारी से बैठने की व्यवस्था होगी।

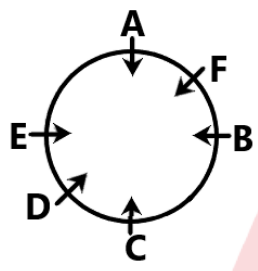

अतः, A के ठीक बाईं ओर **F** बैठा है।
इस प्रकार, सही विकल्प (a) है।

Q.8 समस्या में, 1, 2, 3 और 4 चिह्नित चार आकृतियों में से तीन एक निश्चित तरीके से समान हैं। हालाँकि एक आकृति अन्य तीन के समान नहीं है। वह आकृति चुनें जो शेष से अलग है।

Answer Fig.

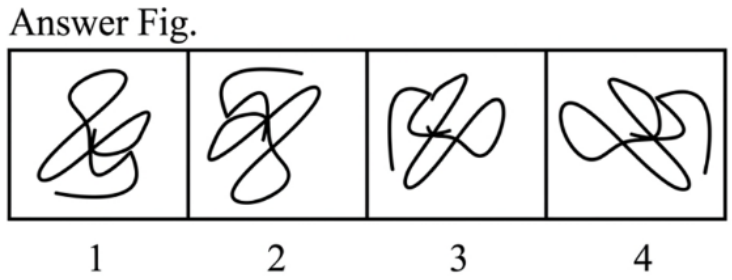

A. 1
B. 2
C. 3
D. 4

Answer: C

Sol: **तर्क**: आकृति 1, 2 और 4 समान हैं।

Answer Fig.

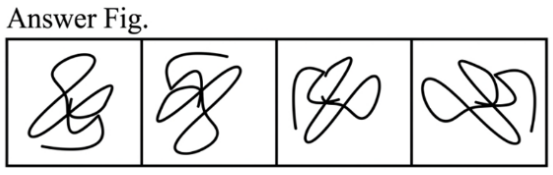

1 2 3 4

अतः, सही विकल्प (c) है।

Q.9 आकृति X में दी गई कागज की शीट को मोड़कर एक घन बनाया जाता है। $ दर्शाने वाले फलक के विपरीत कौन सा फलक आएगा?

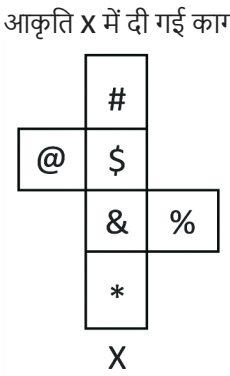

A. @
B. *
C. %
D. #

Answer: B

Sol: दिया गया है

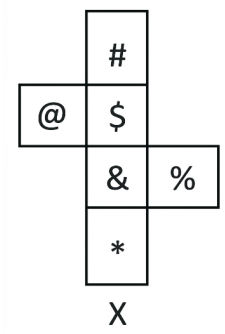

तर्क - खुले पासे में विपरीत फलक होते हैं-

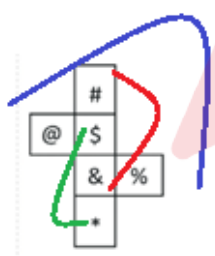

अतः, * $ के विपरीत है।

Q.10 एक निश्चित कूट भाषा में **PEASANT** को **16FB19B1420** लिखा जाता है। उसी कूट भाषा में **SUBJECT** को कैसे लिखा जाएगा?

A. 19V210F220
B. 19V2106320
C. 19V210F320
D. 19V2105320

Answer: C

Sol: **1. दी गई जानकारी:**
PEASANT → 16FB19B1420
पैटर्न को डिकोड करने का नियम
2. प्रयुक्त सूत्र:
व्यंजन → वर्णमाला में स्थान (A=1, B=2, ... Z=26)
स्वर → वर्णमाला का अगला अक्षर

3. **व्याख्या**:
PEASANT का उपयोग करके नियम सत्यापित करें:
P → 16
E → F
A → B
S → 19
A → B
N → 14
T → 20 ✔

अब यही तर्क SUBJECT पर लागू करें:
S → 19
U → V
B → 2
J → 10
E → F
C → 3
T → 20

अतः, कूट बन जाता है:
19 V 2 10 F 3 20
=> 19V210F320

अंतिम उत्तर:
19V210F320

✔ **अंतिम सही विकल्प:**
C

Q.11 एक निश्चित कूट भाषा में **PEASANT** को **RGCUZPV** के रूप में लिखा जाता है, उसी कूट भाषा में **SUBJECT** को कैसे लिखा जाएगा?

A. UWDLHEV
B. UWDLFEV
C. UWDLDEV
D. UVDLDEV

Answer: C

Sol: **दिया गया है**: एक निश्चित कूट भाषा में PEASANT को RGCUZPV के रूप में लिखा जाता है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13
A	B	C	D	E	F	G	H	I	J	K	L	M
Z	Y	X	W	V	U	T	S	R	Q	P	O	N
26	25	24	23	22	21	20	19	18	17	16	15	14

तर्क: सभी अक्षर + 2 बढ़ रहे हैं और 5वां अक्षर - 1 स्थान घट रहा है।
यहाँ, PEASANT = RGCUZPV
P + 2 = R, E + 2 = G, A + 2 = C, S + 2 = U, A - 1 = Z, N + 2 = P, T + 2 = V
इसी प्रकार,
SUBJECT = ?
S + 2 = U, U + 2 = W, B + 2 = D, J + 2 = L, E - 1 = D, C + 2 = E, T + 2 = V
इसलिए, SUBJECT को **UWDLDEV** के रूप में लिखा जाता है।
इस प्रकार, सही विकल्प (c) है।

Q.12 यदि 1 जनवरी 2018 को सोमवार था, तो 1 जनवरी 2019 को सप्ताह का कौन सा दिन था?

A. सोमवार
B. मंगलवार
C. बुधवार
D. रविवार

Answer: B

Sol: **दी गई जानकारी:**
1 जन 2018 = सोमवार
वर्ष 2018 = सामान्य वर्ष (365 दिन)
तर्क:
1 सामान्य वर्ष में विषम दिन = 1 → दिन +1 से आगे बढ़ता है

स्पष्टीकरण:
तर्क: 365 mod 7 = 1 → अगला वर्ष 1 दिन आगे बढ़ता है
चरण-दर-चरण: सोमवार + 1 = मंगलवार
संक्षिप्त ट्रिक:
सामान्य वर्ष → +1 दिन का स्थानांतरण; लीप वर्ष → +2
अंतिम उत्तर:
1 जन 2019 = मंगलवार
अंतिम सही विकल्प:
B) मंगलवार

Q.13 अंग्रेजी वर्णमाला क्रम के आधार पर दी गई श्रृंखला में प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर क्या आना चाहिए?
KNO, MQL, OTI, ?, SZC

A. NJI
B. BGY
C. QWF
D. YTR

Answer: C

Sol: **1. दी गई जानकारी:**
श्रृंखला: KNO, MQL, OTI, ?, SZC

2**. प्रयुक्त सूत्र:**
अक्षर पैटर्न (स्थिति के अनुसार):

पहला अक्षर → +2
दूसरा अक्षर → +3
तीसरा अक्षर → −3

3. **स्पष्टीकरण**:
श्रृंखला को कॉलम-वार तोड़ें:

पहले अक्षर:
K → M → O → Q → S
(प्रत्येक चरण में +2)

दूसरे अक्षर:
N → Q → T → W → Z
(प्रत्येक चरण में +3)

तीसरे अक्षर:
O → L → I → F → C
(प्रत्येक चरण में −3)

अब लुप्त पद ज्ञात करें:
पहला अक्षर: O + 2 = Q
दूसरा अक्षर: T + 3 = W
तीसरा अक्षर: I − 3 = F

लुप्त पद = QWF

अंतिम उत्तर:
लुप्त पद = QWF

✔ **सही विकल्प:** C

Q.14 वह वेन आरेख जो दिए गए वर्गों के समूह का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करता है:
त्वचा, हड्डियाँ, यकृत

A. 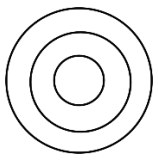

B. 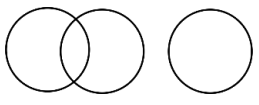

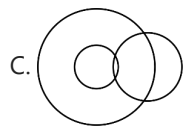

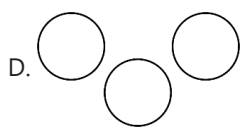

Adda247
GET IT ON Google Play

C.

D.

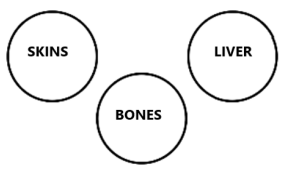

Answer: D

Sol: **दिया गया है**: त्वचा, हड्डियाँ, यकृत

ये तीनों शरीर के अलग-अलग हिस्से हैं।
अतः, सही विकल्प (d) है।

Q.15 यदि 'E' का अर्थ '+' है, 'F' का अर्थ '-' है, 'G' का अर्थ '×' है और 'H' का अर्थ '÷' है, तो निम्नलिखित समीकरण में प्रश्नवाचक चिन्ह '?' के स्थान पर क्या आएगा?
45 G 3 E 28 H 7 F 8 = ?

A. 133
B. 131
C. 129
D. 135

Answer: B

Sol: **दिया गया है**: 45 G 3 E 28 H 7 F 8 = ?

दिए गए अक्षर E F G H

नया चिन्ह + - × ÷

BODMAS नियम का उपयोग करने पर।

Operation preference wise	Symbol
Brackets	[], , ()
Orders, of	$(power), \sqrt{(root)}, of$
Division	$\div$
Multiplication	$\times$
Addition	$+$
Subtraction	$-$

नया समीकरण: 45 × 3 + 28 ÷ 7 - 8 = ?
45 × 3 + 4 - 8 = ?
135 + 4 - 8 = ?
139 - 8 = ?
? = **131**
इस प्रकार, सही विकल्प (b) है।

Q.16 दी गई श्रृंखला में प्रश्न चिह्न (?) के स्थान पर क्या आना चाहिए?
193, 183, 173, 163, 153, ?

A. 143
B. 144
C. 133
D. 132

Answer: A

Sol: **1. दी गई जानकारी:**
श्रृंखला: 193, 183, 173, 163, 153, ?
2. प्रयुक्त सूत्र:
सार्व अंतर = −10

3. **व्याख्या:**
पैटर्न का निरीक्षण करें:

193 – 10 = 183
183 – 10 = 173
173 – 10 = 163
163 – 10 = 153

उसी पैटर्न को जारी रखते हुए:
153 – 10 = 143

अंतिम उत्तर:
143

✔ **सही उत्तर: 143**

Q.17 दिए गए विकल्पों में से कौन सा दिए गए शब्दों का सार्थक क्रम होगा?

1) लुगदी
2) मुद्रण
3) कागज
4) खरीदना
5) प्रकाशित करना

A. 1, 3, 2, 5, 4
B. 1, 4, 5, 2, 3
C. 1, 2, 3, 5, 4
D. 1, 5, 4, 2, 3

Answer: A

Sol: दी गई जानकारी:

लुगदी
मुद्रण
कागज
खरीदना
प्रकाशित करना

तर्क:
तार्किक क्रम (प्रक्रिया प्रवाह) में व्यवस्थित करें

व्याख्या:
तर्क: कच्चा माल → अंतिम आउटपुट → बिक्री

लुगदी → कागज → मुद्रण → प्रकाशित करना → खरीदना
अतः क्रम: 1 → 3 → 2 → 5 → 4

अंतिम उत्तर:
1, 3, 2, 5, 4

अंतिम सही विकल्प:
A

Q.18 वेन आरेख जो दिए गए वर्गों के समूह का सबसे अच्छा प्रतिनिधित्व करता है:
चतुर्भुज , समांतर चतुर्भुज , शंकु

A. 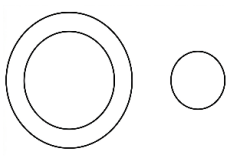

B. 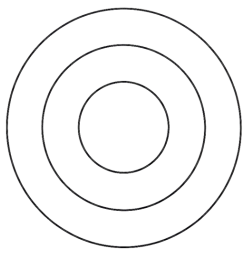

C. 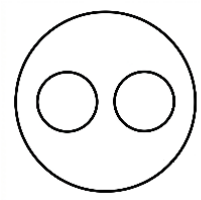

D. 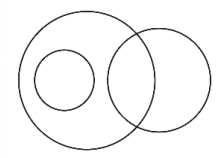

Answer: A

Sol: **दी गई जानकारी:**
वर्ग: चतुर्भुज, समांतर चतुर्भुज, शंकु

तर्क:
उपसमुच्चय और असंबंधित समूहों की जाँच करें

व्याख्या:
तर्क: समांतर चतुर्भुज ⊂ चतुर्भुज, शंकु असंबंधित

समांतर चतुर्भुज, चतुर्भुज का एक प्रकार हैं ✔
शंकु पूरी तरह से अलग (3D आकार) हैं ✖

अतः आरेख:
एक वृत्त के अंदर दूसरा वृत्त + एक अलग वृत्त

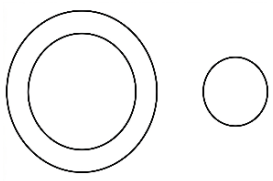

अंतिम उत्तर:
चतुर्भुज के अंदर समांतर चतुर्भुज, शंकु अलग

अंतिम सही विकल्प: A

Q.19 यदि 'A' का अर्थ '÷' है, 'B' का अर्थ 'x' है, 'C' का अर्थ '+' है और 'D' का अर्थ '-' है, तो निम्नलिखित समीकरण में प्रश्न चिह्न '?' के स्थान पर क्या आएगा?
49 A 7 C 8 B 9 D 5 = ?

A. 73
B. 72
C. 71
D. 74

Answer: D

Sol: **दी गई जानकारी:**
A = ÷, B = ×, C = +, D = −

व्यंजक:
49 ÷ 7 + 8 × 9 − 5

तर्क:
प्रतीकों को बदलें → BODMAS लागू करें

व्याख्या:
तर्क: पहले × और ÷ को हल करें

49 ÷ 7 = 7

8 × 9 = 72

अब:
7 + 72 − 5 = 74

अंतिम उत्तर:
74

अंतिम सही विकल्प:
D

Q.20 D, E की माँ है। E, F की बहन है। G, X का पिता है। X, F का पति है। D, G से किस प्रकार संबंधित है?

A. पिता की बहन
B. बहन
C. पुत्र की पत्नी की माँ
D. माँ की बहन

Answer: C

Sol: **दिया गया है** - D, E की माँ है। E, F की बहन है। G, X का पिता है। X, F का पति है।

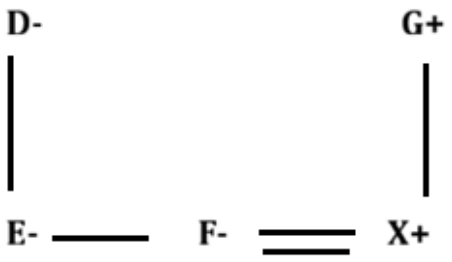

D, G के पुत्र की पत्नी की माँ है।

Q.21 निम्नलिखित में से कौन सा लड़कों में यौवन की शुरुआत की एक विशेषता है?

A. सिर पर बालों का बढ़ना
B. मूंछों का उगना
C. पीनियल ग्रंथि की वृद्धि
D. यकृत की वृद्धि

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(B) मूंछों का उगना** है

व्याख्या:
• यौवन के दौरान, टेस्टोस्टेरोन के कारण लड़कों में द्वितीयक यौन लक्षण विकसित होते हैं।
• इसमें चेहरे के बालों (मूंछ और दाढ़ी) का बढ़ना, आवाज का भारी होना और कंधों का चौड़ा होना शामिल है।

Information Booster:
• यौवन वह अवधि है जिसके दौरान किशोर यौन परिपक्वता तक पहुँचते हैं।

Additional Knowledge:
• विकल्प A, C और D: ये सामान्य विकास पैटर्न या आंतरिक अंग कार्य हैं जो यौवन की शुरुआत के लिए विशिष्ट नहीं हैं।

Q.22 1947 से 1990 तक मौजूद 'लाइसेंस राज' (या परमिट राज) क्या था?

A. व्यवसाय शुरू करने या विस्तार करने के लिए आवश्यक सरकारी अनुमतियों (लाइसेंस) की एक प्रणाली
B. कर संग्रह प्रणाली
C. भूमि वितरण की एक प्रणाली
D. एक विदेश व्यापार नीति

Answer: A

Sol: सही उत्तर **(A) व्यवसाय शुरू करने या विस्तार करने के लिए आवश्यक सरकारी अनुमतियों (लाइसेंस) की एक प्रणाली** है

व्याख्या:
• 'लाइसेंस राज' लाइसेंस, विनियमों और लालफीताशाही की विस्तृत प्रणाली को संदर्भित करता है जो 1947 और 1990 के बीच भारत में व्यवसाय स्थापित करने और चलाने के लिए आवश्यक थे।
• इसने निजी खिलाड़ियों और विदेशी निवेश को प्रतिबंधित किया।

Information Booster:
• इस प्रणाली को काफी हद तक 1991 के आर्थिक सुधारों द्वारा समाप्त कर दिया गया था।

Additional Knowledge:
• इसका उद्देश्य मूल रूप से नियोजित विकास सुनिश्चित करना था, लेकिन अंततः इसने आर्थिक विकास को बाधित कर दिया।

Q.23 भारत ने किस देश को मानवीय सहायता के रूप में 73 टन दवाइयाँ और टीके (vaccines) वितरित किए?

A. नेपाल
B. अफ़ग़ानिस्तान
C. श्रीलंका
D. म्यांमार

Answer: B

Sol: सही उत्तर है (b) अफ़ग़ानिस्तान।
• भारत ने **काबुल, अफ़ग़ानिस्तान** को **73 टन जीवन रक्षक दवाइयाँ, टीके और पूरक आहार (supplements)** वितरित किए।
• इस मानवीय सहायता का उद्देश्य अफ़ग़ानिस्तान की **संघर्षरत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली** का समर्थन करना है।
• इस मिशन की घोषणा भारत के **विदेश मंत्रालय (MEA)** द्वारा की गई थी।

Information Booster:
• सहायता में शामिल: दवाइयाँ, टीके और पोषण संबंधी पूरक
• वितरित किया गया: **काबुल**
• उद्देश्य: **स्वास्थ्य सेवा सहायता**
• प्रमुख एजेंसी: **MEA, भारत सरकार**
• भारत-अफ़ग़ानिस्तान **लोगों के बीच संबंधों (people-to-people ties)** को मजबूत करता है

Q.24 राज्यसभा में आरबीआई की क्षेत्रीय भाषा बैंकिंग पहल का विवरण किसने प्रस्तुत किया?

A. वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण
B. पंकज चौधरी, वित्त राज्य मंत्री
C. आरबीआई गवर्नर
D. सचिव, वित्तीय सेवा विभाग

Answer: B

Sol: **सही उत्तर है: (b) पंकज चौधरी, वित्त राज्य मंत्री**
व्याख्या:
· वित्त राज्य मंत्री, **पंकज चौधरी** ने लिखित उत्तर के माध्यम से राज्यसभा में विवरण प्रदान किया।
· समावेशन और ग्राहक सेवा के लिए **बहुभाषी बैंकिंग** के महत्व पर प्रकाश डाला।

Information Booster:
· ग्रामीण और अर्ध-शहरी बैंकिंग सेवाओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है।
· सरकार के वित्तीय समावेशन लक्ष्यों के साथ संरेखित करता है।
· सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (PSBs) को त्रिभाषी नीतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।
· ग्राहक संतुष्टि और विश्वास को मजबूत करता है।
· क्षेत्रीय भाषा बैंकिंग नीति में आरबीआई की भूमिका पर जोर देता है।

Q.25 एक लंबा सीधा चालक ऊर्ध्वाधर ऊपर की ओर धारा ले जाता है। तार के पूर्व में स्थित बिंदु पर चुंबकीय क्षेत्र की दिशा क्या होगी?

A. पूर्व की ओर
B. दक्षिण की ओर
C. पश्चिम की ओर
D. उत्तर की ओर

Answer: D

Sol: सही उत्तर **(D) उत्तर की ओर** है।

व्याख्या:
• मैक्सवेल के दाहिने हाथ के अंगूठे के नियम का उपयोग करते हुए: यदि अंगूठा ऊपर की ओर (धारा) इशारा करता है, तो उंगलियां वामावर्त दिशा (ऊपर से देखने पर) में मुड़ती हैं।
• तार के पूर्व में स्थित एक बिंदु पर, वृत्ताकार चुंबकीय क्षेत्र रेखा की स्पर्शरेखा उत्तर की ओर इशारा करती है।

Information Booster:
• दाहिने हाथ के अंगूठे का नियम: अंगूठा = धारा की दिशा; मुड़ी हुई उंगलियां = चुंबकीय क्षेत्र की दिशा।

Additional Knowledge:
• यदि बिंदु पश्चिम की ओर होता, तो क्षेत्र दक्षिण की ओर होता।
• यदि धारा नीचे की ओर प्रवाहित हो रही होती, तो पूर्व बिंदु पर क्षेत्र दक्षिण की ओर होता।

Q.26 व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी कौन थी?

A. पी.वी. सिंधु
B. साइना नेहवाल
C. ज्वाला गुट्टा
D. अश्विनी पोनप्पा

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(b) साइना नेहवाल** है।
साइना नेहवाल व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला और पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनीं, जब उन्होंने **2012 के लंदन ओलंपिक** में **कांस्य पदक** हासिल किया।

व्याख्या:

- **ऐतिहासिक उपलब्धि:** 2012 में साइना नेहवाल का कांस्य पदक भारतीय खेलों के लिए एक मील का पत्थर था, जो बैडमिंटन में देश का पहला ओलंपिक पदक था।
- **करियर की मुख्य विशेषताएं:** वह पूर्व विश्व नंबर 1 खिलाड़ी हैं और उन्होंने 24 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खिताब जीते हैं, जिनमें दस सुपरसीरीज खिताब शामिल हैं।
- **मार्ग प्रशस्त करना:** अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनकी सफलता को भारत में बैडमिंटन की लोकप्रियता बढ़ाने और खिलाड़ियों की नई पीढ़ी को प्रेरित करने का श्रेय दिया जाता है।
- **पी.वी. सिंधु (विकल्प A):** हालाँकि उन्होंने साइना के बाद पदक जीते, लेकिन पी.वी. सिंधु **दो व्यक्तिगत ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला** हैं (रियो 2016 में रजत और टोक्यो 2020 में कांस्य)।

Information Booster:

- **कर्णम मल्लेश्वरी:** ऐतिहासिक संदर्भ में, वह व्यक्तिगत ओलंपिक पदक (2000 सिडनी ओलंपिक में भारोत्तोलन में कांस्य) जीतने वाली **अब तक की पहली भारतीय महिला** थीं।

Additional Knowledge:

- **ज्वाला गुट्टा (विकल्प C) और अश्विनी पोनप्पा (विकल्प D):** यह जोड़ी महिला युगल में भारत का पहला शीर्ष स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय पदक (2011 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य) और 2010 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन उन्होंने ओलंपिक पदक नहीं जीता है।

Q.27 शब्द 'आयुर्वेद' भाषाई रूप से दो संस्कृत शब्दों से लिया गया है; इस शब्द का शाब्दिक अर्थ क्या है?

A. चिकित्सा का विज्ञान
B. अध्यात्म का ज्ञान
C. जीवन का विज्ञान
D. प्रकृति का ज्ञान

Answer: C

Sol: सहीउत्तर है **(c) जीवन का विज्ञान**
व्याख्या:
· **'आयुर्वेद'** शब्द दो अलग-अलग संस्कृत शब्दों का एक यौगिक है: **'आयु'**, जिसका अर्थ है जीवन, और **'वेद'**, जिसका अर्थ है ज्ञान।

· सामूहिक रूप से, इसका अनुवाद **"जीवन का विज्ञान"** है।
· इसे एक समग्र प्रणाली माना जाता है जो चिकित्सा तक सीमित नहीं है बल्कि **जीने के दर्शन** के रूप में कार्य करती है**.**
· प्रणाली का उद्देश्य केवल बीमारियों के उपचार के बजाय **सकारात्मक स्वास्थ्य** और आध्यात्मिक विकास है।
· आधुनिक समय में, **सीसीआरएएस** इस वैज्ञानिक ज्ञान को 13 क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने का काम करता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इसके "जीवन का विज्ञान" सिद्धांत सभी तक पहुँचें।

Information Booster:
· आयुर्वेद दुनिया की सबसे **पुरानी चिकित्सा प्रणालियों** में से एक है, जिसकी उत्पत्ति लगभग 3000 वर्ष पहले भारत में हुई थी।
· यह समग्र कल्याण के लिए **शरीर, मन और आत्मा** के संतुलन को संबोधित करता है।

Additional Knowledge:
· **चिकित्सा का विज्ञान** (a): यद्यपि आयुर्वेद में चिकित्सा पद्धति शामिल है, इसका दायरा व्यापक है, जिसमें जीवन का एक संपूर्ण तरीका शामिल है।
· **अध्यात्म का ज्ञान** (b): आध्यात्मिक विकास आयुर्वेद का एक उद्देश्य है, लेकिन शाब्दिक अनुवाद विशेष रूप से "जीवन" (*आयु*) को संदर्भित करता है।
· **प्रकृति का ज्ञान** (d): यद्यपि यह प्राकृतिक तत्वों से संबंधित है, यह शब्द विशेष रूप से जीवित प्राणियों से संबंधित ज्ञान को दर्शाता है।

Q.28 मंत्रिपरिषद में प्रधान मंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या लोक सभा के कुल सदस्यों की संख्या के _____ से अधिक नहीं हो सकती है।

A. 6%
B. 30%
C. 15%
D. 21%

Answer: C

Sol: **सही उत्तर है (C) 15%**
व्याख्या:

- **91वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2003** के अनुसार, **प्रधान मंत्री सहित** मंत्रियों की कुल संख्या **लोक सभा की कुल संख्या के 15% से अधिक नहीं हो सकती है**।
- यह सीमा अत्यधिक बड़ी मंत्रिपरिषदों को रोकने और कुशल शासन को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी।

संवैधानिक प्रावधान:

- **अनुच्छेद 75(1ए)**:
  "मंत्रिपरिषद में प्रधान मंत्री सहित मंत्रियों की कुल संख्या लोक सभा के सदस्यों की कुल संख्या के पंद्रह प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।"

Information Booster:

- यह नियम **केंद्र** और **राज्य** दोनों सरकारों पर लागू होता है।
  - राज्यों के लिए: कुल मंत्री ≤ **राज्य विधान सभा की संख्या का 15%** (न्यूनतम 12)।
- 91वें संशोधन से पहले, मंत्रालयों के आकार पर **कोई ऊपरी सीमा नहीं थी**।
- इसका उद्देश्य राजनीतिक संरक्षण पर अंकुश लगाना और अनावश्यक व्यय को कम करना था।
- लोक सभा की **अधिकतम संख्या 545** है (543 निर्वाचित + 2 मनोनीत), हालाँकि वर्तमान कार्यात्मक संख्या अलग-अलग होती है।

Q.29 टिप्पणी एक पारंपरिक लोक नृत्य है जो मुख्य रूप से किस भारतीय राज्य में महिलाओं द्वारा किया जाता है?

A. राजस्थान
B. गुजरात
C. महाराष्ट्र
D. पंजाब

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(B) गुजरात** है

व्याख्या:
• **टिप्पणी** (या 'टिप्पणी जूरी' नृत्य) की उत्पत्ति **गुजरात** के सौराष्ट्र जिले के चोरवाड़ और वेरावल क्षेत्रों में हुई थी।
• यह पारंपरिक रूप से कोली और महार समुदायों की महिलाओं द्वारा किया जाता था।
• यह नृत्य अद्वितीय है क्योंकि यह निर्माण कार्य के दौरान फर्श को समतल करने के लिए लंबी लकड़ी की छड़ियों (टिप्पणियों) से फर्श को 'पीटने' के श्रम से विकसित हुआ है। कठिन श्रम की नीरसता को तोड़ने के लिए, महिलाएं गाते हुए लयबद्ध रूप से फर्श को पीटती थीं।
• अब यह एक जीवंत लोक प्रदर्शन है जिसकी विशेषता ऊर्जावान गतिविधियां और संगीत के साथ तालमेल बिठाकर जमीन पर टकराने वाली छड़ियों की आवाज है।

Information Booster:
• **वाद्ययंत्र:** नृत्य के साथ झांझ, मंजीरा और तुरी जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्र बजाए जाते हैं।
• **गुजरात के अन्य नृत्य:** गरबा, डांडिया रास, भवाई (रंगमंच), और पाधर राज्य के अन्य प्रमुख लोक कला रूप हैं।
• **सौराष्ट्र:** वह क्षेत्र जहाँ यह नृत्य विशेष रूप से फलता-फूलता है, जो अपने समृद्ध समुद्री और निर्माण इतिहास के लिए जाना जाता है।

Additional Knowledge:
• **राजस्थान (विकल्प A):** घूमर, कालबेलिया और भवाई (गुजरात के भवाई से अलग) के लिए जाना जाता है।
• **महाराष्ट्र (विकल्प C):** लावणी, धनगरी गजा और कोली (मछुआरों का नृत्य) के लिए प्रसिद्ध है।
• **पंजाब (विकल्प D):** गिद्दा (महिलाओं) और भांगड़ा (पुरुषों) के लिए प्रसिद्ध है।

Q.30 निम्नलिखित में से किसने 'द पैलेस ऑफ इल्यूजन्स' लिखी?

A. अरविंद अडिगा
B. चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी
C. गायत्री सिन्हा
D. राजीव मल्होत्रा

Answer: B

Sol: **सही उत्तर: (B) चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी**

स्पष्टीकरण:
चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी 2008 में प्रकाशित उपन्यास **"द पैलेस ऑफ इल्यूजन्स"** की लेखिका हैं । यह पुस्तक पांडवों की पत्नी **द्रौपदी (पांचाली) के दृष्टिकोण से महाभारत का पुनर्कथन है।**

- यह उपन्यास **द्रौपदी की भावनाओं, संघर्षों और दृष्टिकोणों को** दर्शाता है तथा इस महान महाकाव्य को उसकी नजरों से प्रस्तुत करता है।
- यह **कृष्ण, कर्ण और पांडवों के साथ उनके रिश्तों को** चित्रित करता है , और उनकी **ताकत, बुद्धिमत्ता और आंतरिक संघर्षों** पर प्रकाश डालता है ।
- **यह पुस्तक महाभारत की नारीवादी पुनर्व्याख्या करती है तथा द्रौपदी के व्यक्तिगत अनुभवों, इच्छाओं और पीड़ा को** सामने लाती है ।

Information Booster:
- **चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी** एक **भारतीय-अमेरिकी लेखिका हैं, जो महिलाओं, आव्रजन और पौराणिक कथाओं** के विषयों पर लिखने के लिए जानी जाती हैं ।
- उनकी कुछ अन्य उल्लेखनीय पुस्तकें:
  - **"द फॉरेस्ट ऑफ एनचैंटमेंट्स" - सीता के दृष्टिकोण से रामायण** का पुनर्कथन ।
  - **"मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेज़" - ऐश्वर्या राय** अभिनीत एक फिल्म में रूपांतरित ।
  - **"सिस्टर ऑफ माई हार्ट"** - दो बहनों के बीच गहरे बंधन के बारे में एक उपन्यास।
- "द पैलेस ऑफ इल्यूजन्स" भारत के महानतम महाकाव्यों में से एक पर **एक अद्वितीय नारीवादी परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करता है , जिससे यह व्यापक रूप से लोकप्रिय हो गया है।**

Additional Information:
- **अरविंद अडिगा - वह "द व्हाइट टाइगर"** के लेखक हैं , जिसने **2008 में मैन बुकर पुरस्कार** जीता था ।
- **गायत्री सिन्हा -** वह एक **कला समीक्षक और इतिहासकार** हैं , उपन्यासकार नहीं।
- **राजीव मल्होत्रा - वे भारतीय सभ्यता और दर्शन** पर अपनी पुस्तकों , जैसे **"ब्रेकिंग इंडिया" और "बीइंग डिफरेंट"** के लिए जाने जाते हैं , लेकिन उन्होंने यह उपन्यास नहीं लिखा है।

Q.31 किसी वस्तु को पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण खिंचाव से बचने के लिए आवश्यक न्यूनतम गति क्या है?

A. कक्षीय वेग (Orbital velocity)
B. सीमांत वेग (Terminal velocity)
C. पलायन वेग (Escape velocity)
D. ध्वनि वेग (Sound velocity)

Answer: C

Sol: सही उत्तर पलायन वेग है।
Explanation
पलायन वेग (Escape velocity) वह न्यूनतम गति है जो किसी पिंड को किसी विशाल पिंड, जैसे कि ग्रह या तारे, के गुरुत्वाकर्षण प्रभाव से, बिना किसी और प्रणोदन (propulsion) के, बचने के लिए आवश्यक है। पृथ्वी के लिए, सतह से पलायन वेग लगभग 11.2 किलोमीटर प्रति सेकंड (लगभग 25,000 मील प्रति घंटा) है।
Additional Information
· **{a}** कक्षीय वेग (Orbital velocity) वह गति है जो किसी पिंड के *चारों ओर* एक स्थिर कक्षा बनाए रखने के लिए आवश्यक है, जो पलायन वेग से कम है।
· **{b}** सीमांत वेग (Terminal velocity) वह स्थिर गति है जो एक स्वतंत्र रूप से गिरती हुई वस्तु अंततः तब प्राप्त करती है जब उस माध्यम (जैसे हवा) का प्रतिरोध जिससे वह गिर रही है, गुरुत्वाकर्षण बल के बराबर हो जाता है।
· **{d}** ध्वनि वेग (Sound velocity) वह गति है जिस पर ध्वनि तरंगें किसी माध्यम से प्रचारित होती हैं।

Q.32 स्वतंत्रता के बाद कराची बंदरगाह के पाकिस्तान में चले जाने के नुकसान की भरपाई के लिए विकसित किया गया पहला बंदरगाह कौन सा था?

A. मुंबई में जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह
B. गोवा में मर्मगाओ बंदरगाह
C. कच्छ में कांडला बंदरगाह
D. हल्दिया में हल्दिया बंदरगाह

Answer: C

Sol: सही उत्तर (c) कच्छ में कांडला बंदरगाह है।

व्याख्या:

- 1947 में भारत के विभाजन के बाद, कराची बंदरगाह पाकिस्तान का हिस्सा बन गया।
- पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी भारत की जरूरतों को पूरा करने के लिए, कांडला को स्वतंत्रता के बाद पहले प्रमुख बंदरगाह के रूप में विकसित किया गया था।
- इसका निर्माण 1950 के दशक में कच्छ की खाड़ी, गुजरात में किया गया था।

Information Booster:

- कांडला बंदरगाह को अब आधिकारिक तौर पर दीनदयाल बंदरगाह के रूप में जाना जाता है।
- यह एक ज्वारीय बंदरगाह है और कच्चे तेल और पेट्रोलियम आयात की एक बड़ी मात्रा का प्रबंधन करता है।
- यह भारत का पहला बंदरगाह था जिसे विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) घोषित किया गया था।

Additional Knowledge:

- जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह (न्हावा शेवा) – भारत का सबसे बड़ा कंटेनर बंदरगाह, महाराष्ट्र में स्थित है।
- मर्मगाओ बंदरगाह – गोवा में स्थित प्रमुख लौह अयस्क निर्यातक बंदरगाह।
- हल्दिया बंदरगाह – कोलकाता बंदरगाह पर दाब कम करने के लिए विकसित किया गया।

Q.33 निम्नलिखित में से कौन सा भारतीय राज्य बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा नहीं करता है?

A. असम
B. मणिपुर
C. मिजोरम
D. मेघालय

Answer: B

Sol: **सही उत्तर है विकल्प (B) मणिपुर**

Explanation:

→ बांग्लादेश कई उत्तर-पूर्वी भारतीय राज्यों के साथ सीमा साझा करता है।
→ **असम, मेघालय और मिजोरम बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं।**
→ मणिपुर म्यांमार के साथ अपनी सीमा साझा करता है, बांग्लादेश के साथ नहीं।
→ अतः, मणिपुर सही उत्तर है।

Information Booster:

→ **भारत और बांग्लादेश एक लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करते हैं।**
→ सीमावर्ती राज्यों में पश्चिम बंगाल और उत्तर-पूर्वी राज्य शामिल हैं।
→ सीमा व्यापार और सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण है।
→ **भूमि सीमा समझौते ने द्विपक्षीय संबंधों में सुधार किया।**
→ सीमा प्रबंधन दोनों देशों द्वारा संयुक्त रूप से संभाला जाता है।

Q.34 किस वर्ष केंद्र सरकार ने CSO और NSSO का विलय कर दिया और सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) के तहत NSO की स्थापना की?

A. 2019
B. 2017
C. 2018
D. 2016

Answer: A

Sol:

· **2019** में , भारत सरकार ने **केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO)** और **राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) को मिलाकर राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO)** बनाया ।

· यह विलय **सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI)** के तहत देश में सांख्यिकीय डेटा संग्रह, प्रसंस्करण और विश्लेषण की दक्षता को सुव्यवस्थित और बढ़ाने के लिए किया गया था।

Additional Information:

- CSO राष्ट्रीय आय के आंकड़ों और अन्य व्यापक आर्थिक संकेतकों के संकलन के लिए जिम्मेदार था, जबकि एनएसएसओ विभिन्न सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय मुद्दों पर बड़े पैमाने पर सर्वेक्षण करता था।
- **NSO** के गठन का उद्देश्य इन दो महत्वपूर्ण संगठनों को एक छतरी के नीचे लाकर भारत में सांख्यिकीय प्रणाली को मजबूत करना था ताकि डेटा संग्रह में सुधार हो और नीति निर्माण के लिए अधिक सटीक और विश्वसनीय आंकड़े सुनिश्चित किए जा सकें।

Q.35 निम्नलिखित में से किस वेद में संगीत का उल्लेख है?

A. अथर्ववेद
B. ऋग्वेद
C. यजुर्वेद
D. सामवेद

Answer: D

Sol: सही उत्तर है: (d) **सामवेद**
स्पष्टीकरण:

- **सामवेद को** *धुनों और मंत्रों का वेद* कहा जाता है ।
- इसमें ऋग्वेद के मंत्र हैं, लेकिन इन्हें अनुष्ठानों के दौरान गायन के लिए संगीतमय रूप में व्यवस्थित किया गया है।
- **यह भारतीय शास्त्रीय संगीत और नृत्य परंपराओं** की नींव है ।

Information Booster:

- चार **वेद** : ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद।
- **सामवेद ने संगीत** और **नाट्य शास्त्र** में योगदान दिया ।
- इसमें लगभग **1,875 श्लोक** हैं , जिनमें से अधिकांश ऋग्वेद से लिए गए हैं।
- इसका सीधा संबंध यज्ञों में **अनुष्ठानिक मंत्रोच्चार से है।**
- **भारतीय संगीत प्रणाली का उद्गम** माना जाता है ।

अतिरिक्त ज्ञान:

- **अथर्ववेद:** रोजमर्रा की जिंदगी, स्वास्थ्य, आकर्षण और उपचार से संबंधित है।
- **ऋग्वेद:** सबसे पुराना वेद, देवताओं को समर्पित भजनों का संग्रह।
- **यजुर्वेद:** इसमें यज्ञों के मंत्र और विधियां शामिल हैं।

Q.36 किस भारतीय राज्य की जनसंख्या सबसे कम है?

A. बिहार
B. असम
C. गोवा
D. सिक्किम

Answer: D

Sol: (d) सिक्किम

स्पष्टीकरण:

भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, सिक्किम की जनसंख्या सभी भारतीय राज्यों में सबसे कम है, जिसकी संख्या 610,577 है। अपनी छोटी आबादी के बावजूद, सिक्किम में साक्षरता दर उच्च है और पहाड़ी इलाकों के कारण जनसंख्या घनत्व अपेक्षाकृत कम है।

प्रमुख बिंदु:

- सिक्किम भारत का सबसे कम आबादी वाला राज्य है।

- कुल जनसंख्या (2011 की जनगणना): 610,577.
- राजधानी: गंगटोक।
- जनसंख्या घनत्व: ~86 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर.
- 100% जैविक खेती वाला एकमात्र भारतीय राज्य।

अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

- (a) बिहार – गलत; यह तीसरा सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है
- (c) गोवा - गलत; गोवा क्षेत्रफल में छोटा है लेकिन इसकी जनसंख्या सिक्किम से अधिक है।

अतिरिक्त जानकारी:

- भारत का सबसे अधिक जनसंख्या वाला राज्य: उत्तर प्रदेश (~200 मिलियन लोग, जनगणना 2011)।
- सबसे कम आबादी वाला केंद्र शासित प्रदेश: लक्षद्वीप (~64,473 लोग, जनगणना 2011)।
- सिक्किम 1975 में भारत में शामिल हुआ।

Q.37 औरंगजेब की मृत्यु हुई-

A. 1707
B. 1717
C. 1747
D. 1751

Answer: A

Sol: **सही उत्तर है (a) 1707**

व्याख्या:

• **औरंगज़ेब,** छठे मुगल सम्राट, की **मृत्यु 1707** में हुई थी।
• उन्होंने 1658 से अपनी मृत्यु तक शासन किया और वे अंतिम प्रमुख मुगल सम्राट थे जिन्होंने साम्राज्य को उसके सर्वाधिक क्षेत्रीय विस्तार तक पहुँचाया।
• उनकी मृत्यु के बाद मुगल साम्राज्य का पतन प्रारंभ हुआ और उनके उत्तराधिकारी साम्राज्य की शक्ति को बनाए रखने में असमर्थ रहे।

Information Booster:

• औरंगज़ेब की मृत्यु ने मुगल साम्राज्य के पतन की एक लंबी अवधि की शुरुआत की, जो उनके उत्तराधिकारियों के शासन में धीरे-धीरे कमजोर होता गया।
• उनकी मृत्यु ने उनके पुत्रों के बीच उत्तराधिकार संघर्ष को भी जन्म दिया, विशेष रूप से **बहादुर शाह प्रथम और आज़म शाह** के बीच।

Additional Knowledge:

(b) 1717
• यह औरंगज़ेब की मृत्यु का वर्ष नहीं है; वह एक दशक पहले ही गुजर चुके थे।

(c) 1747
• यह औरंगज़ेब की वास्तविक मृत्यु तिथि से बहुत बाद का वर्ष है।

(d) 1751
• यह वर्ष भी औरंगज़ेब की मृत्यु के बाद का है और उनके शासन या निधन से संबंधित किसी प्रमुख घटना से मेल नहीं खाता।

Q.38 किसने अंतिम शुंग शासक की हत्या की और कण्व वंश की स्थापना की?

A. वासुदेव
B. अग्निमित्र
C. कालाशोक
D. पुष्यमित्र

Answer: A

Sol: सही उत्तर **(A) वासुदेव** है।

Explanation:

• वासुदेव कण्व अंतिम शुंग राजा, देवभूति के मंत्री थे। उन्होंने राजा की हत्या कर दी और लगभग 73 ईसा पूर्व में सिंहासन हड़प लिया।
• यह शुंग वंश के अंत और कण्व वंश (जिसे कण्वयन के नाम से भी जाना जाता है) की शुरुआत का प्रतीक था।
• कण्व वंश एक ब्राह्मणवादी वंश था जिसने शुंगों के समान ही पाटलिपुत्र से शासन किया था।
• यह वंश अपेक्षाकृत कम समय तक रहा, सातवाहनों द्वारा उखाड़ फेंके जाने से पहले यह केवल लगभग 45 वर्षों तक चला।

Information Booster:

• **कण्व शासक:** चार प्रमुख शासक थे: वासुदेव, भूमिमित्र, नारायण और सुशर्मन।

• **संक्रमण:** कण्वों ने ब्राह्मणवाद के संरक्षण की शुंग परंपरा को जारी रखा, जिसमें मौर्यों के पतन के बाद पुनरुद्धार देखा गया था।
• **वंश का अंत:** अंतिम कण्व राजा सुशर्मन की हत्या सातवाहन वंश के संस्थापक सिमुक ने कर दी थी।

Additional Knowledge:
• **अग्निमित्र (विकल्प B):** वह शुंग वंश का दूसरा राजा और पुष्यमित्र शुंग का पुत्र था। वह कालिदास के प्रसिद्ध नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्' का नायक है।
• **कालाशोक (विकल्प C):** शिशुनाग वंश का एक शासक जिसने वैशाली में दूसरी बौद्ध संगीति का आयोजन किया था।
• **पुष्यमित्र (विकल्प D):** शुंग वंश का संस्थापक जो 185 ईसा पूर्व में अंतिम मौर्य शासक वृहद्रथ की हत्या करके सत्ता में आया था।

Q.39 महिला आरक्षण विधेयक, 2023 के अनुसार, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए कितनी सीटें आरक्षित हैं?

A. दो तिहाई
B. एक तिहाई
C. एक चौथाई
D. आधा

Answer: B

Sol: **सही उत्तर है (b) एक तिहाई।**
· महिला आरक्षण विधेयक, 2023 में **लोकसभा** (भारत की संसद का निचला सदन) और **राज्य विधानसभाओं** में महिलाओं के लिए **एक तिहाई** (33%) सीटें आरक्षित करने का प्रस्ताव है।
· इस विधेयक का उद्देश्य राजनीति और निर्णय लेने वाली संस्थाओं में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाना, शासन में अधिक लैंगिक समानता सुनिश्चित करना है।
· विधेयक निर्दिष्ट करता है कि महिलाओं के लिए ये आरक्षित सीटें रोटेशन के आधार पर आवंटित की जाएंगी, जिसका अर्थ है कि प्रत्येक आम चुनाव में महिलाओं के लिए अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्र आरक्षित किए जाएंगे।

Information Booster:
लोकसभा:
· लोकसभा भारत की संसद का निचला सदन है, जिसमें 543 निर्वाचित सदस्य होते हैं।
· बिल लागू होने पर इनमें से एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी.
राज्य विधान सभाएँ:
· भारत में प्रत्येक राज्य की अपनी विधानसभा है, और इन विधानसभाओं में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए भी आरक्षित होंगी।
अन्य आरक्षण प्रणालियाँ:
· भारत में, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जाति (SC) और अनुसूचित जनजाति (ST) के लिए भी आरक्षण है।
· महिलाओं के लिए आरक्षण का उद्देश्य पूरे देश में महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व और भागीदारी बढ़ाना है।

Q.40 किस पंचवर्षीय योजना को महालनोबिस योजना भी कहा जाता है?

A. प्रथम पंचवर्षीय योजना
B. द्वितीय पंचवर्षीय योजना
C. तृतीय पंचवर्षीय योजना
D. पांचवीं पंचवर्षीय योजना

Answer: B

Sol: सही उत्तर **(B) द्वितीय पंचवर्षीय योजना** है।

व्याख्या:
• द्वितीय पंचवर्षीय योजना (1956-1961) पी.सी. महालनोबिस मॉडल पर आधारित थी।
• इस योजना का मुख्य ध्यान 'तीव्र औद्योगीकरण' पर था, विशेष रूप से भारी और बुनियादी उद्योगों के विकास पर।
• इसका लक्ष्य तीव्र औद्योगिक विकास के माध्यम से राष्ट्रीय आय में 25% की वृद्धि करना था।
• पी.सी. महालनोबिस को 'भारतीय सांख्यिकी के जनक' के रूप में जाना जाता है।

Information Booster:
• **प्रथम योजना (1951-56):** हैरोड-डोमर मॉडल; कृषि पर केंद्रित।
• **तृतीय योजना (1961-66):** गाडगिल योजना; अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य।
• **चौथी योजना:** 'स्थिरता के साथ विकास' पर ध्यान।

Additional Knowledge:
• **प्रथम योजना (विकल्प A):** मुख्य रूप से भाखड़ा नांगल बांध जैसी सिंचाई और बिजली परियोजनाओं पर केंद्रित थी।
• **तृतीय योजना (विकल्प C):** चीन-भारत युद्ध और भारत-पाक युद्ध के कारण विफल रही।
• **पांचवीं योजना (विकल्प D):** इसका ध्यान 'गरीबी हटाओ' और आत्मनिर्भरता पर था।

Q.41 निम्नलिखित व्यंजक का सरलीकृत मान ज्ञात कीजिए।
$$\frac{(36 \div 3) \times (48 \div 6) - (16 \div 2)}{4}$$

A. 23

B. 22
C. 21
D. 24

Answer: B

Sol:

दिया गया है

व्यंजक: $\frac{(36 \div 3) \times (48 \div 6) - (16 \div 2)}{4}$

हल

$$\frac{(36 \div 3) \times (48 \div 6) - (16 \div 2)}{4}$$

$$= \frac{(12) \times (48 \div 6) - (16 \div 2)}{4}$$

$$= \frac{12 \times (8) - (16 \div 2)}{4}$$

$$= \frac{12 \times 8 - (8)}{4}$$

$$= \frac{96 - 8}{4}$$

$$= \frac{88}{4}$$

$$= 22$$

अंतिम उत्तर

इसलिए सही उत्तर (b) है

Q.42 दो संख्याओं का योग 1260 है। उनका महत्तम समापवर्तक (HCF) 70 है। ऐसी संख्याओं के कितने युग्म संभव हैं?

A. 1
B. 2
C. 4
D. 3

Answer: D

Sol: **दिया गया है:**

संख्याओं का योग = 1260

संख्याओं का HCF = 70

प्रयुक्त सूत्र:

संख्याएँ $= HCF \times a$ और $HCF \times b$ (जहाँ a और b सहअभाज्य हैं)

हल:

माना संख्याएँ 70a और 70b हैं, जहाँ a और b सह-अभाज्य पूर्णांक हैं।

70a + 70b = 1260

70(a + b) = 1260

a + b = $\frac{1260}{70}$

a + b = 18

हमें (a, b) के ऐसे युग्म खोजने हैं जिनका योग 18 हो और जो सह-अभाज्य (सह-अभाज्य का म.स.प. = 1) हों।

(a, b) के लिए संभावित युग्म:

(1, 17) ➔ सह-अभाज्य

(5, 13) ➔ सह-अभाज्य

(7, 11) ➔ सह-अभाज्य

18 के योग वाले अन्य युग्म जैसे (2, 16), (3, 15), (4, 14), (6, 12), (8, 10), और (9, 9) सह-अभाज्य नहीं हैं क्योंकि उनमें उभयनिष्ठ गुणनखंड हैं।

इसलिए, ठीक 3 संभावित युग्म हैं।

अंतिम उत्तर

अतः सही उत्तर (d) है

Q.43 एक घन का विकर्ण √6912 सेमी है। इसका आयतन (घन सेमी में) क्या है?

A. 110592

B. 110295
C. 110529
D. 101592

Answer: A

Sol: **दिया गया है**
विकर्ण = $\sqrt{6912}$सेमी

प्रयुक्त सूत्र
घन का विकर्ण = $a\sqrt{3}$
आयतन = a^3

समाधान
$a\sqrt{3} = \sqrt{6912}$
$3a^2 = 6912 \implies a^2 = 2304$
$a = \sqrt{2304} = 48$सेमी
आयतन = $48^3 = 48 \times 48 \times 48 = 110592$घनसेमी
अंतिम उत्तर
इसलिए, सही उत्तर (a) है।

Q.44 एक वस्तु को उसके अंकित मूल्य पर 20% की छूट देने के बाद ₹660 में बेचा जाता है। वस्तु का अंकित मूल्य ज्ञात कीजिए।

A. ₹825
B. ₹830
C. ₹835
D. ₹840

Answer: A

Sol: **दिया गया है**
विक्रय मूल्य = ₹660
छूट = 20%
प्रयुक्त सूत्र
अंकित मूल्य = विक्रय मूल्य × $\frac{100}{100 - \text{छूट}\%}$
हल
अंकित मूल्य = $660 \times \frac{100}{100 - 20}$
अंकित मूल्य = $660 \times \frac{100}{80}$
अंकित मूल्य = 660 × 1.25 = ₹825
अंतिम उत्तर
इसलिए सही उत्तर (a) है

Q.45 एक पाइप एक टैंक को 2 मिनट में भर सकता है, जबकि दूसरा पाइप पूरी तरह से भरे हुए टैंक को 4 मिनट में खाली कर सकता है। यदि टैंक खाली होने पर दोनों पाइप एक साथ खोले जाते हैं, तो टैंक का आधा हिस्सा भरने में कितने मिनट लगेंगे?

A. 2
B. 5
C. 4
D. 3

Answer: A

Sol: **दिया गया है**
भरने वाले पाइप द्वारा लिया गया समय = 2 मिनट
खाली करने वाले पाइप द्वारा लिया गया समय = 4 मिनट
आवश्यक भराव आयतन = टैंक का आधा
प्रयुक्त सूत्र
शुद्ध कार्य दर = (भरने की दर) - (खाली करने की दर)
हल
1 मिनट में भरा गया टैंक का भाग = $\frac{1}{2}$
1 मिनट में खाली किया गया टैंक का भाग = $\frac{1}{4}$
दोनों खुले होने पर 1 मिनट में भरा गया शुद्ध भाग = $\frac{1}{2} - \frac{1}{4} = \frac{1}{4}$

पूरा टैंक भरने में लगा कुल समय = 4 मिनट
टैंक का आधा हिस्सा भरने में लगा समय = $\frac{4}{2}$ = 2 मिनट

अंतिम उत्तर
इसलिए सही उत्तर (a) है

Q.46 दो संख्याओं का HCF और LCM क्रमशः 42 और 9282 है। यदि संख्याओं में से एक 500 और 600 के बीच है, तो दूसरी संख्या के अंकों का गुणनफल क्या है?

A. 28
B. 120
C. 12
D. 10

Answer: A

Sol: **दिया गया है**
HCF = 42
LCM = 9282

प्रयुक्त सूत्र
$HCF \times LCM =$ दो संख्याओं का गुणनफल
संख्याओं को 42a और 42b के रूप में लिखा जा सकता है, जहाँ a और b सह-अभाज्य हैं।

हल
$42a \times 42b = 42 \times 9282$
$42ab = 9282$
$ab = 221$

221 के सह-अभाज्य गुणनखंड (13, 17) और (1, 221) हैं।
यदि a = 13 है, संख्या = $42 \times 13 = 546.$
यदि b = 17 है, संख्या = $42 \times 17 = 714.$

एक संख्या (546), 500 और 600 के बीच है। इसलिए दूसरी संख्या 714 है।
714 के अंकों का गुणनफल = $7 \times 1 \times 4 = 28.$

अंतिम उत्तर
इसलिए सही उत्तर (a) है

Q.47 दो उम्मीदवारों द्वारा लड़े गए चुनाव में, एक उम्मीदवार को डाले गए कुल मतों का 40% प्राप्त हुआ और वह 1000 मतों से हार गया। डाले गए मतों की कुल संख्या ज्ञात कीजिए।

A. 7000
B. 5000
C. 1000
D. 3000

Answer: B

Sol: **दिया गया है:**
हारने वाले उम्मीदवार को कुल मतों का 40% मिला।
हार का अंतर = 1000 मत।
प्रयुक्त सूत्र:
कुल मत = 100%
विजेता का % = 100% - हारने वाले का %
जीत का अंतर = विजेता के मत - हारने वाले के मत
हल:
हारने वाले के मत = 40%
विजेता के मत = 100% - 40% = 60%
उनके मतों के बीच का अंतर = 60% - 40% = 20%
यह अंतर 1000 मतों के बराबर है।
कुल मतों का 20% = 1000
$\frac{20}{100} \times$ कुलवोट $= 1000$
कुल मत = $\frac{1000 \times 100}{20}$
कुल मत = 50 × 100 = 5000।
अंतिम उत्तर
अत: सही उत्तर (b) है

Q.48 A और B क्रमशः ₹40,000 और ₹60,000 का निवेश करके एक व्यवसाय शुरू करते हैं। वर्ष के अंत में, वे ₹20,000 का लाभ कमाते हैं। A को कितना लाभ प्राप्त होगा?

A. ₹8,000
B. ₹7,500
C. ₹9,000
D. ₹8,500

Answer: A

Sol: **दिया गया है:**
A का निवेश = ₹40,000
B का निवेश = ₹60,000
कुल लाभ = ₹20,000
प्रयुक्त सूत्रः
लाभ का अनुपात = निवेश का अनुपात (जब समय स्थिर हो)
हल
निवेश का अनुपात = 40,000 : 60,000 = 4 : 6 = 2 : 3
कुल हिस्से = 2 + 3 = 5
A का हिस्सा = $\frac{2}{5} \times 20,000$
A का हिस्सा = $2 \times 4,000 = 8,000$
अंतिम उत्तरः

अतः सही उत्तर है (a)

Q.49 एक दुकानदार ₹500 में एक खिलौना खरीदता है और पैकेजिंग पर ₹50 खर्च करता है। फिर वह इसे एक ग्राहक को 10% लाभ पर बेचता है। खिलौने का विक्रय मूल्य ज्ञात कीजिए।

A. ₹550
B. ₹605
C. ₹600
D. ₹650

Answer: B

Sol: **दिया गया है**
क्रय मूल्य = ₹500
पैकेजिंग खर्च = ₹50
लाभ प्रतिशत = 10%
प्रयुक्त सूत्र
कुल क्रय मूल्य = वस्तु का मूल्य + ऊपरी खर्च
विक्रय मूल्य = कुल क्रय मूल्य × $\frac{100 + \text{लाभ}\%}{100}$
हल
कुल क्रय मूल्य = 500 + 50 = ₹550
लाभ की राशि = 550 का 10% = 55
विक्रय मूल्य = 550 + 55 = ₹605
अंतिम उत्तर
इसलिए सही उत्तर (b) है

Q.50 एक समचतुर्भुज का क्षेत्रफल 216 वर्ग मीटर है और इसके एक विकर्ण की लंबाई 24 मीटर है। समचतुर्भुज की प्रत्येक भुजा की लंबाई होगी:

A. 12 मीटर
B. 18 मीटर
C. 15 मीटर
D. 30 मीटर

Answer: C

Sol: **दिया गया है:**
समचतुर्भुज का क्षेत्रफल = 216 वर्ग मीटर,
इसके एक विकर्ण की लंबाई = 24 मीटर,

विकर्ण का क्षेत्रफल = = $\frac{1}{2}$ × AC × BD

प्रयुक्त संकल्पना:

समचतुर्भुज की सभी भुजाएँ बराबर होती हैं।

समचतुर्भुज के विकर्ण एक दूसरे को समकोण पर समद्विभाजित करते हैं।

हल:

यहाँ, AC = 24 मीटर और क्षेत्रफल = 216 वर्ग मीटर।

समचतुर्भुज का क्षेत्रफल = ($\frac{1}{2}$× 24 × BD)

=> 216 = ($\frac{1}{2}$ × 24 × BD)

=> 216 = 12BD

=> BD = $\frac{216}{12}$

=> BD = 18 m

अब,

हम जानते हैं कि समचतुर्भुज के विकर्ण एक दूसरे को समकोण पर समद्विभाजित करते हैं।

अतः,

OA = $\frac{1}{2}$ × AC

=> OA = ($\frac{1}{2}$ × 24) m

=> OA = 12 m

OB = $\frac{1}{2}$ × BD

=> OB = ($\frac{1}{2}$ × 18) m

=> OB = 9 m

अब ,

In ΔOAB

$AB^2 = OA^2 + OB^2$

=> $AB^2 = (12^2 + 9^2)$

=> $AB^2 = 144 + 81$

=> $AB^2 = 225$

=> AB = 15 m

∴ समचतुर्भुज की प्रत्येक भुजा की लंबाई 15 मीटर है

Q.51 एक लंब वृत्तीय बेलन की त्रिज्या और ऊँचाई क्रमशः **0.14** मीटर और **0.21** मीटर है। इसका आयतन (घन सेमी में) ज्ञात कीजिए।

A. 12369
B. 12639
C. 12936
D. 12969

Answer: C

Sol: दिया गया है:

त्रिज्या (r) = 0.14 मीटर

ऊँचाई (h) = 0.21 मीटर

प्रयुक्त सूत्र:

बेलन का आयतन = $\pi r^2 h$

हल:

सबसे पहले, आयतन को घन सेमी में प्राप्त करने के लिए विमाओं को मीटर से सेंटीमीटर में बदलें:

त्रिज्या (r) = 0.14 मीटर = 14 सेमी

ऊँचाई (h) = 0.21 मीटर = 21 सेमी

आयतन की गणना करें:

आयतन = $\frac{22}{7} \times (14)^2 \times 21$

= 22 × 14 × 14 × 3

= 22 × 196 × 3

= 66 × 196 = 12936 घन सेमी

अंतिम उत्तर

अतः, सही उत्तर (c) है।

Q.52 दो संख्याएँ **7 : 9** के अनुपात में हैं। यदि प्रत्येक में से **5** घटाया जाता है, तो नया अनुपात **4 : 5** हो जाता है। बड़ी संख्या क्या है?

A. -45
B. 35
C. -35
D. 45

Answer: C

Sol: **दिया गया है:**
दो संख्याओं का प्रारंभिक अनुपात = 7 : 9
प्रत्येक से घटाई गई मान = 5
नया अनुपात = 4 : 5
प्रयुक्त सूत्र:
$\frac{a-x}{b-x}=\frac{c}{d}$
हल:
माना दो संख्याएँ 7x और 9x हैं।
प्रश्नानुसार:
$\frac{7x-5}{9x-5}=\frac{4}{5}$
5 × (7x - 5) = 4 × (9x - 5)
35x - 25 = 36x - 20
36x - 35x = -25 + 20
x = -5
दो संख्याएँ हैं:
पहली संख्या = 7 × (-5) = -35
दूसरी संख्या = 9 × (-5) = -45
-35 और -45 के बीच बड़ी संख्या -35 है (क्योंकि -35 संख्या रेखा पर शून्य के अधिक करीब है)।
अंतिम उत्तर
अतः सही उत्तर (c) है

Q.53 संख्याओं 1.3, 7.6 और 0.13 का लघुत्तम समापवर्त्य (LCM) है:

A. 107
B. 98.8
C. 102
D. 100

Answer: B

Sol: **दिया गया है**
संख्याएँ = 1.3, 7.6 और 0.13
प्रयुक्त सूत्र
भिन्नों का लघुत्तम समापवर्त्य (LCM) = $\frac{\text{अंशों का ल.स.प.}}{\text{हरों का म.स.प.}}$
हल
दी गई दशमलव संख्याओं को भिन्नों में बदलें:

$1.3=\frac{130}{100}$

$7.6=\frac{760}{100}$

$0.13=\frac{13}{100}$

भिन्नें हैं $\frac{130}{100},\frac{760}{100},$ और $\frac{13}{100}$
अंश 130, 760, 13 हैं।
(130, 760, 13) का लघुत्तम समापवर्त्य (LCM) = 9880
हर 100, 100, 100 हैं।
(100, 100, 100) का महत्तम समापवर्तक (HCF) = 100
दी गई संख्याओं का लघुत्तम समापवर्त्य (LCM) = $\frac{9880}{100}=98.8$

अंतिम उत्तर
इसलिए, सही उत्तर (b) है

Q.54 एक दुकानदार निम्नलिखित चार योजनाएं प्रदान करता है।
A) 28% और 28% की दो क्रमिक छूटें
B) 1 खरीदें, 4 प्राप्त करें
C) 35% की निश्चित छूट
D) 27% और 26% की दो क्रमिक छूटें
ग्राहक के लिए कौन सी योजना सबसे अच्छी है?

A. D
B. B
C. A
D. C

Answer: B

Sol: **दिया गया है**
योजना A: 28% और 28% की क्रमिक छूटें
योजना B: 1 खरीदें, 4 प्राप्त करें
योजना C: 35% की निश्चित छूट
योजना D: 27% और 26% की क्रमिक छूटें
प्रयुक्त सूत्र
समतुल्य क्रमिक छूट = $a + b - \frac{a \times b}{100}$
'X खरीदें Y प्राप्त करें' के लिए छूट % = $\frac{\text{मुफ़्त आइटम}}{\text{कुल आइटम}} \times 100$
हल
योजना A की समतुल्य छूट = $28 + 28 - \frac{28 \times 28}{100} = 56 - 7.84 = 48.16\%$
योजना B (1 खरीदें 4 प्राप्त करें): ग्राहक को कुल 5 वस्तुओं में से 4 वस्तुएं मुफ्त मिलती हैं। छूट = $\frac{3}{4} \times 100 = 75\%$
योजना C की छूट = 35%
योजना D की समतुल्य छूट = $27 + 26 - \frac{27 \times 26}{100} = 53 - 7.02 = 45.98\%$
सभी विकल्पों की तुलना करने पर, योजना B 75% की अधिकतम छूट प्रदान करती है, जो ग्राहक के लिए सबसे अच्छी है।
अंतिम उत्तर
इसलिए सही उत्तर (b) है

Q.55 एक नाव धारा के अनुकूल 36 किमी की दूरी उतने ही समय में तय कर सकती है जितने समय में वह धारा के प्रतिकूल 24 किमी की दूरी तय करती है। यदि धारा की चाल 3 किमी/घंटा है, तो शांत जल में नाव की चाल क्या है?

A. 15किमी/घंटा
B. 12 किमी/घंटा
C. 21 किमी/घंटा
D. 18 किमी/घंटा

Answer: A

Sol: **दिया गया है**
धारा के अनुकूल दूरी = 36 किमी
धारा के प्रतिकूल दूरी = 24 किमी
धारा के अनुकूल लिया गया समय = धारा के प्रतिकूल लिया गया समय
धारा की चाल (y) = 3 किमी/घंटा
प्रयुक्त सूत्र
धारा के अनुकूल चाल = नाव की चाल (x) + धारा की चाल (y)
धारा के प्रतिकूल चाल = नाव की चाल (x) - धारा की चाल (y)
समय = $\frac{\text{दूरी}}{\text{गति}}$
समाधान
माना शांत जल में नाव की चाल x किमी/घंटा है।
धारा के अनुकूल समय = $\frac{36}{x+3}$
धारा के प्रतिकूल समय = $\frac{24}{x-3}$
चूंकि दोनों समय बराबर हैं:
$\frac{36}{x+3} = \frac{24}{x-3}$
36(x - 3) = 24(x + 3)
36x - 108 = 24x + 72
12x = 180
x = 15 किमी/घंटा
अंतिम उत्तर
अतः सही उत्तर (a) है

Q.56 एक आदमी और उसके बेटे की वर्तमान आयु का योग 50 वर्ष है। पांच वर्ष बाद, आदमी की आयु उसके बेटे की आयु की तीन गुनी होगी। बेटे की वर्तमान आयु ज्ञात कीजिए।

A. 12 वर्ष
B. 11 वर्ष
C. 10 वर्ष

D. 14 वर्ष

Answer: C

Sol: **दिया गया है**
वर्तमान आयु का योग = 50 वर्ष
5 वर्ष बाद, आदमी की आयु = 3 × बेटे की आयु
हल
मान लीजिए कि आदमी की वर्तमान आयु M और बेटे की वर्तमान आयु S है।
M + S = 50
M = 50 - S
5 वर्ष बाद:
M + 5 = 3 × (S + 5)
समीकरण में M = 50 - S प्रतिस्थापित करें:
(50 - S) + 5 = 3S + 15
55 - S = 3S + 15
4S = 40
S = 10 वर्ष
अंतिम उत्तर
इसलिए सही उत्तर (c) है

Q.57 एक नाव को धारा के प्रतिकूल **21.3** किमी जाने में **58** मिनट लगते हैं। शांत जल में नाव की गति और धारा की गति का अनुपात **8 : 2** है। नाव को धारा के प्रतिकूल **49.2** किमी और धारा के अनुकूल **24.5** किमी जाने में कुल कितना समय (घंटों में) लगेगा?

A. 5.2
B. 2.9
C. 3.5
D. 1.2

Answer: B

Sol: **दिया गया है:**
धारा के प्रतिकूल दूरी = 21.3 किमी, समय = 58 मिनट
नाव की गति : धारा की गति का अनुपात = 8 : 2
कुल यात्रा = धारा के प्रतिकूल 49.2 किमी और धारा के अनुकूल 24.5 किमी
प्रयुक्त अवधारणा:
नाव और धारा (सापेक्ष गति)
प्रयुक्त सूत्र:
धारा के प्रतिकूल = b - s
धारा के अनुकूल = b + s
गति = $\frac{\text{दूरी}}{\text{समय}}$
हल:
माना नाव की गति = 8x, धारा की गति = 2x
धारा के प्रतिकूल गति = 6x
गति = $\frac{21.3}{58/60} = \frac{21.3 \times 60}{58}$ = 22.034
इसलिए, 6x = 22.034 => x = 3.672
नाव की गति = 8x = 29.376, धारा की गति = 2x = 7.344
धारा के अनुकूल गति = 29.376 + 7.344 = 36.72
धारा के विपरीत समय $= \frac{49.2}{22.034} = 2.23$
धारा की दिशा में समय $= \frac{24.5}{36.72} = 0.67$
कुल समय = 2.23 + 0.67 = **2.9 घंटे**

Q.58 एक वस्तु की कीमत **₹1600** थी। इसमें पहले वर्ष में **10%** और दूसरे वर्ष में **30%** की वृद्धि हुई। दो वर्षों के बाद वस्तु की कीमत **(₹** में) क्या है?**57**

A. 2288
B. 2080
C. 2248
D. 1760

Answer: A

Sol: **दिया गया है:**
प्रारंभिक कीमत = ₹1600
प्रथम वर्ष की वृद्धि = 10%

द्वितीय वर्ष की वृद्धि = 30%
प्रयुक्त सूत्र:
अंतिम कीमत = प्रारंभिक कीमत $\times(1+\frac{R1}{100})\times(1+\frac{R2}{100})$
हल
प्रथम वर्ष के बाद कीमत = $1600\times1.10=1760$
द्वितीय वर्ष के बाद कीमत = $1760\times1.30=2288$
अंतिम उत्तर:
अतः सही उत्तर है (a)

Q.59 628 मीटर लंबी एक ट्रेन विपरीत दिशा में 10.1 किमी/घंटा की गति से चल रहे एक व्यक्ति को 12 सेकंड में पार करती है। ट्रेन की गति (किमी/घंटा में) क्या है?

A. 180.2
B. 180.6
C. 179.3
D. 178.3

Answer: D

Sol: **दिया गया है:**
ट्रेन की लंबाई = 628 मी
व्यक्ति की गति = 10.1 किमी/घंटा
लिया गया समय = 12 सेकंड

प्रयुक्त सूत्र:

सापेक्ष गति = $\frac{\text{कुल दूरी}}{\text{समय}}$
किमी/घंटा में गति = मीटर/सेकंड में गति $\times\frac{18}{5}$

हल
माना ट्रेन की गति x किमी/घंटा है।
सापेक्ष गति = (x + 10.1) किमी/घंटा
तय की गई दूरी = 628 मी
समय = 12 s
मीटर/सेकंड में सापेक्ष गति = $\frac{628}{12}=\frac{157}{3}$m/s
सापेक्ष गति को किमी/घंटा में बदलें $=\frac{157}{3}\times\frac{18}{5}=\frac{942}{5}=188.4$ किमी/घंटा
x + 10.1 = 188.4
x = 188.4 - 10.1 = 178.3 किमी/घंटा

अंतिम उत्तर:
अतः सही उत्तर है (d)

Q.60 10 कुशल व्यक्ति एक काम को 8 दिनों में पूरा कर सकते हैं और 10 अर्ध-कुशल व्यक्ति उस काम को पूरा करने में 12 दिन लेते हैं। 4 कुशल व्यक्ति और 6 अर्ध-कुशल व्यक्ति मिलकर उस काम को पूरा करने में कितने दिन लेंगे?

A. 8 दिन
B. 12 दिन
C. 14 दिन
D. 10 दिन

Answer: D

Sol: **दिया गया है**
10 कुशल व्यक्ति काम को 8 दिनों में पूरा करते हैं
10 अर्ध-कुशल व्यक्ति काम को 12 दिनों में पूरा करते हैं
आवश्यक समूह: 4 कुशल + 6 अर्ध-कुशल

प्रयुक्त सूत्र
कार्य = पुरुष × दिन
दक्षता (1 दिन का कार्य) = $\frac{1}{\text{कुल आवश्यक दिन}}$

हल
1 कुशल व्यक्ति का 1 दिन का कार्य = $\frac{1}{10\times8}=\frac{1}{80}$
1 अर्ध-कुशल व्यक्ति का 1 दिन का कार्य = $\frac{1}{10\times12}=\frac{1}{120}$

4 कुशल और 6 अर्ध-कुशल व्यक्तियों द्वारा 1 दिन में किया गया कार्य:

$$= 4 \times \frac{1}{80} + 6 \times \frac{1}{120}$$

$$= \frac{1}{20} + \frac{1}{20}$$

$$= \frac{2}{20} = \frac{1}{10}$$

चूंकि उनका संयुक्त 1 दिन का कार्य $\frac{1}{10}$ है, इसलिए वे कुल कार्य 10 दिनों में पूरा करेंगे।

अंतिम उत्तर

इसलिए सही उत्तर (d) है

Q.61 **Which of the following options is the most suitable conversion of the following sentence into Passive Voice?**
Do greenhouse gases cause global warming?

A. Is global warming caused by greenhouse gases?
B. Are global warming caused by greenhouse gases?
C. Does global warming caused by greenhouse gases?
D. Do global warming caused by greenhouse gases?

Answer: A

Sol: **Explanation:** The correct option is (a). The active voice interrogative sentence is in the simple present tense: "Do greenhouse gases cause global warming?" To convert it into passive voice, the object "global warming" becomes the subject, and the structure becomes **Is/Are + subject + past participle + by + agent?** Since "global warming" is singular, we use **Is**. Hence, the correct passive form is: **Is global warming caused by greenhouse gases?**

Structure:

Active Voice: Do/Does + Subject + base verb + Object?
Passive Voice: Is/Am/Are + Object + past participle + by + Subject?

Example: Do students read this chapter? → Is this chapter read by students?

Why the other options are incorrect:

• **Option B** is incorrect because "global warming" is singular, so "Are" cannot be used.
• **Option C** is incorrect because after "Does", the sentence should be in active structure, and "caused" is not appropriate there.
• **Option D** is also grammatically incorrect for the same reason and uses an incorrect auxiliary.

Information Booster: In passive interrogatives, the helping verb comes before the subject, and the main verb always changes to the past participle form. So the correct answer is (a)

Q.62 **Identify the segment that contains a grammatical error. If there is no error, select 'No error'.**
Ram ran back to the/ window to see the bars dangling / a few feet before the ground.

A. window to see the bars dangling
B. Ram ran back to the
C. No error
D. a few feet before the ground.

Answer: D

Sol:

Option **(d)** contains an error.
Explanation: The phrase "a few feet before the ground" is incorrect in this spatial context. The correct preposition is "above" as the bars are hanging higher than the ground.
· **Grammatical Rule Used:**
· **Preposition Usage:** "Before" is used for time or sequence; "above" is used for spatial height or elevation.
· **Explanation of the rule in Hindi:**
· "Before" का प्रयोग समय या क्रम के लिए होता है। ऊँचाई बताने के लिए "above" का प्रयोग होता है – जैसे "above the ground" (ज़मीन से ऊपर)।
Meanings of the options:
· **(a) window to see the bars dangling** – Correct usage.
· **Hindi:** खिड़की से लटकती हुई सलाखों को देखने के लिए – सही प्रयोग।
· **(b) Ram ran back to the** – Introductory clause, correct.
· **Hindi:** राम दौड़ कर वापस गया – सही वाक्यांश।

· **(c) No error** – Incorrect as error exists in (d).
· **Hindi:** कोई त्रुटि नहीं – गलत विकल्प।
· **(d) a few feet before the ground** – Incorrect preposition.
· **Hindi:** ज़मीन से कुछ फीट पहले – "before" गलत है, "above" होना चाहिए।

Q.63 **The word "bank" is a homonym. In which sentence does it mean the side of a river?**

A. She deposited her salary in the bank.
B. They had a picnic on the bank of the Ganga.
C. He decided to bank on his friends for support.
D. The central bank controls the country's money supply.

Answer: B

Sol: The correct option is (b).

Explanation:
The word 'bank' has multiple meanings. In Option (B), it refers to the land alongside or sloping down to a river or lake. (नदी का किनारा)

Meanings in other options:
- **Option A & D:** Refer to a financial institution where money is kept or lent. (बैंक/वित्तीय संस्थान)
- **Option C:** Used as a verb 'bank on', meaning to rely on or depend on someone/something. (भरोसा करना)

So the correct answer is (b)

Q.64 **Choose the most suitable one-word substitution for the following.**
The one who rides horses professionally.

A. Rider
B. Groom
C. Farrier
D. Jockey

Answer: D

Sol: **Explanation:** The correct option is (d). The correct one-word substitution for a person who rides horses professionally is **Jockey**. A jockey is specially trained to ride horses in races and is associated with horse racing as a profession. In Hindi, it means घुड़दौड़ में पेशेवर घुड़सवार.

Example: The jockey guided the horse skillfully to victory in the final lap.

Meanings of the other options:
• **Rider**: A general term for anyone who rides a horse, bicycle, or other vehicle. (सवार)
• **Groom**: A person who looks after horses, cleaning and feeding them. (घोड़ों की देखभाल करने वाला)
• **Farrier**: A person who shoes horses and cares for their hooves. (घोड़ों की नाल लगाने वाला)

Although a jockey is also a rider, the word **jockey** is more precise because the question asks for someone who rides horses **professionally**. So the correct answer is (d)

Q.65 **Select the option with the correct spelling that can replace the highlighted word in the given sentence. If the spelling in the given sentence is already correct, choose Option "No replacement required".**
Her ostentateous jewellery drew attention at the party, though it lacked genuine elegance.

A. ostentatius
B. ostentatious
C. ostentious
D. No replacement required

Answer: B

Sol: The correct option is (b). Option (b) gives the correct replacement.
Correct Spelling: "Ostentatious" means designed to attract notice by being overly showy or pretentious. It is usually used for display that lacks simplicity or genuine taste. In Hindi, "ostentatious" means "दिखावटी" or "आडंबरपूर्ण".

Example: His ostentatious lifestyle impressed some people but annoyed many others.

Explanation:

The sentence talks about jewellery that drew attention but lacked genuine elegance. This context perfectly suits the adjective "ostentatious," which describes something flashy and showy in an excessive way. Hence, the highlighted word needs replacement with "ostentatious".

Meanings of Other Options:

Option (a) "ostentatius" is incorrect spelling.

Option (c) "ostentious" is also incorrect spelling.

Option (d) "No replacement required" is wrong because the highlighted word is misspelt.

This is a spelling-based contextual replacement question. So the correct answer is (b)

Q.66 **From the alternatives given below, select the correct meaning of the idiom.**
Wear out one's welcome.

A. To greet someone very happily and eagerly; to give someone a very warm, enthusiastic welcome
B. To remain a guest in a place, especially someone's home, for too long, to the point where the host no longer wishes one to stay
C. To welcome one with an extensive or elaborate display of friendliness and hospitality
D. An expression of glib commiseration used when one shares some unpleasant condition or situation with one or more other people

Answer: B

Sol: The correct option is (b). Option (b) is the correct meaning of the given idiom.
Given Idiom: "Wear out one's welcome" means to stay somewhere or continue in someone's company for so long that the person is no longer pleased by one's presence. It suggests that the original welcome has faded due to overstay or overfamiliarity. In Hindi, it means "अधिक देर रुककर स्वागत की भावना समाप्त कर देना".

Example: The relatives stayed for so many weeks that they began to wear out their welcome.

Other Related Idioms and Their Meanings:

"Roll out the red carpet" means to welcome someone with special honour.

"Make oneself at home" means to behave comfortably in another person's house.

"Outstay one's welcome" is a closely related expression and has almost the same meaning.

The idiom clearly matches option (b). So the correct answer is (b)

Q.67 **Choose the word that is opposite in meaning to the given word.**
Hyped

A. Reduced
B. Upped
C. Parlayed
D. Dilate

Answer: A

Sol:

· **Hyped** means to promote or publicize something intensively or exaggerate its importance.
· The correct antonym is **reduced**, which means to diminish in size, amount, or importance.
Hindi Meaning of 'Hyped': ज़रूरत से ज़्यादा प्रचार करना या बढ़ा-चढ़ा कर पेश करना
Example: The movie was hyped, but it didn't meet expectations.
Correct Answer Word - Reduced:

· To lessen the amount or degree of something.
· Hindi: घटाया गया, कम किया गया
· **Example:** The noise level was reduced after the protest ended.
Synonyms: exaggerated, overpublicized, boosted.
Antonyms: reduced, minimized, downplayed, underemphasized.
Meanings of all options:
· **(a) Reduced:** To make smaller or less (घटाया)
· **(b) Upped:** Increased (बढ़ाया)
· **(c) Parlayed:** Transformed into something of greater value (बढ़ा कर बदलना)
· **(d) Dilate:** Expand or enlarge (फैलाना)

Q.68 **Select the most appropriate synonym of the given word.**
Contrite

A. persistent
B. remorseful
C. advertent
D. renitent

Answer: B

Sol:
The correct synonym of the given word is **(b) remorseful**.
· **Given word**: *Contrite* – Feeling or showing sorrow and remorse for a wrong act.
· **Hindi meaning**: अपराधबोध से भरा हुआ / पश्चातापी
· **Example**: The student was contrite after being caught cheating on the exam.
· **Correct answer word**: *Remorseful* – Deeply regretful or full of guilt for wrongdoing.
· **Hindi meaning**: पछतावे से भरा हुआ
· **Example**: He looked remorseful after realizing the harm his words had caused.
· **Synonyms**: remorseful, repentant, apologetic, regretful.
· **Antonyms**: unrepentant, shameless, indifferent, defiant.
Meanings of all the other given options:
· **(a) Persistent**: continuing firmly or obstinately.
· **Hindi**: लगातार प्रयास करने वाला
· **(c) Advertent**: Attentive or heedful.
· **Hindi**: सावधान, सजग
· **(d) Renitent**: Resisting pressure or control.
· **Hindi**: विरोधी, जिद्दी

Q.69 **Choose the word that is the antonym of incredible.**

A. Unbelievable
B. Ordinary
C. Amazing
D. Extraordinary

Answer: B

Sol: The correct option is (b) **Ordinary**.
Explanation: The word **incredible** means extraordinary, unbelievable, or very remarkable. It is used for something so unusual or impressive that it is hard to believe. Therefore, its antonym should be a word meaning common, usual, or not special. **Ordinary** exactly gives that opposite meaning. The Hindi meaning of **incredible** is अविश्वसनीय **/** असाधारण, while **ordinary** means साधारण.

Example: Her performance was incredible.
It was just an ordinary day at the office.

Synonyms of incredible: unbelievable, extraordinary, astonishing, remarkable.

Antonyms of incredible: ordinary, common, usual, believable.

Meanings of the other options:

- **Unbelievable** – too extraordinary to be believed. (अविश्वसनीय)
- **Amazing** – causing great surprise or wonder. (आश्चर्यजनक)
- **Extraordinary** – very unusual or remarkable. (असाधारण)

These three options are close in meaning to "incredible", not opposite to it. So the correct answer is (b)

Q.70 **Which of the following options is the most suitable conversion of the following sentence into Passive Voice?**
Shakespeare wrote many plays.

A. Many plays were written by Shakespeare.
B. Many plays was written by Shakespeare.
C. Many plays have be written by Shakespeare.
D. Many plays has been written by Shakespeare.

Answer: A

Sol: **Explanation:** The correct option is (a). The active voice sentence is in the simple past tense: "Shakespeare wrote many plays." To convert it into passive voice, the object "many plays" becomes the subject, and the structure changes into **subject + was/were + past participle + by + agent**. Since "plays" is plural, we use **were written**. Thus, the correct passive form is: **Many plays were written by Shakespeare.**

Structure:
Active Voice: Subject + V2 + Object
Passive Voice: Object + was/were + V3 + by + Subject

Example: The teacher checked the notebooks. → The notebooks were checked by the teacher.

Why the other options are incorrect:
• **Option B** uses **was** with the plural subject "many plays", which is incorrect.
• **Option C** uses the ungrammatical phrase **have be written**.
• **Option D** uses **has been**, which is singular and also changes the tense unnecessarily.

Information Booster: While converting active to passive, tense must remain the same. The helping verb changes according to the number and person of the new subject. So the correct answer is (a)

Q.71 **The passage suggests that classical political economists like Ricardo and Mill differed from Marx primarily in their:**
Read the passage carefully and answer the following questions.
In the annals of economic history, few transformations have been as rapid, as sweeping, or as structurally consequential as the industrialisation of agrarian societies in the nineteenth and early twentieth centuries. The movement of populations from subsistence farming communities into densely packed urban manufacturing centres did not simply alter where people lived and how they earned their livelihoods; it fundamentally reconfigured the relationship between capital and labour, between the individual and the state, and between the local community and the emergent global market. The factory system, whatever its extraordinary capacity for generating material wealth, also generated concentrations of misery that contemporaries found both alarming and difficult to theorise adequately within existing moral and political frameworks.
Classical political economists of the period were, on the whole, sanguine about industrialisation's long-run prospects. Figures such as Ricardo and Mill acknowledged the short-term dislocations and the degraded conditions of the labouring poor but maintained that the competitive discipline of the market would, over time, produce efficiencies that would eventually benefit even the lowest strata of society. Their critics, most forcefully Karl Marx, argued that this optimism was structurally naive: capitalism's internal logic of surplus extraction would perpetually reproduce inequality, regardless of aggregate growth, because the very mechanisms of accumulation required the systematic subordination of labour to capital. This debate—between those who view the market as a self-correcting system and those who regard it as inherently exploitative—has never been definitively resolved and continues, in various reformulations, to animate contemporary political economy.
What is less frequently acknowledged in these grand theoretical contests is the degree to which industrialisation's social costs fell disproportionately on those who possessed the least institutional power to resist them: women, children, recent rural migrants, and ethnic minorities. Factory legislation in Britain, for instance, was bitterly contested at every stage by manufacturers who invoked the language of economic liberty to resist what they characterised as parliamentary overreach. The eventual passage of successive Factory Acts, limiting working hours and regulating child labour, represented not the natural evolution of enlightened capitalism but the outcome of organised working-class agitation, journalistic exposure, and the morally motivated interventions of reformers whose leverage derived as much from religious sentiment as from utilitarian calculation.
Contemporary development economists studying the late industrialisation of Asia and Sub-Saharan Africa have been struck by troubling parallels. The export-processing zones of Bangladesh and Cambodia, the mineral extraction enclaves of the Democratic Republic of Congo, and the garment supply chains of Myanmar reproduce, with remarkable fidelity, the structural asymmetries that characterised Victorian Manchester or Gilded Age Pittsburgh. What has changed is the geographical and juridical complexity: the exploitation now occurs across multiple national jurisdictions, coordinated by transnational corporations whose legal residency in low-tax jurisdictions insulates them from the regulatory frameworks of any single nation-state. In this environment, the reformist leverage available to nineteenth-century labour movements—access to a responsive national legislature and a mobilisable electorate within a single sovereign territory—is substantially attenuated.

A. Belief that industrialisation would ultimately harm even the wealthiest sections of society
B. View that market competition would eventually produce widespread benefit despite short-term hardship
C. Insistence that the state should intervene immediately to redistribute industrial profits
D. Conviction that agrarian communities were inherently superior to urban manufacturing centres

Answer: B

Sol:

Explanation

The correct option is (b). Ricardo and Mill are presented as classical political economists who believed that market competition would eventually generate efficiencies and benefits even for the lowest sections of society. They acknowledged short-term suffering but remained optimistic about the long-run effects of industrialisation.

Context of the passage

The passage contrasts this view with Marx's criticism. Marx believed that capitalism's logic of surplus extraction would continuously reproduce inequality. Thus, the main difference lies in their assessment of whether the market is ultimately self-correcting or inherently exploitative.

Other options are incorrect because

Option A is incorrect because Ricardo and Mill did not believe industrialisation would harm even the wealthiest; they were optimistic about its long-run prospects.

Option C is incorrect because the passage does not say that they insisted on immediate state redistribution.

Option D is incorrect because they did not argue for the superiority of agrarian communities over urban manufacturing centres.

Hence, their primary difference from Marx was their belief in the eventual benefits of market competition despite temporary hardship. So the correct answer is (b)

Q.72 According to the passage, the passage of Factory Acts in Britain was primarily the result of:

Read the passage carefully and answer the following questions.

In the annals of economic history, few transformations have been as rapid, as sweeping, or as structurally consequential as the industrialisation of agrarian societies in the nineteenth and early twentieth centuries. The movement of populations from subsistence farming communities into densely packed urban manufacturing centres did not simply alter where people lived and how they earned their livelihoods; it fundamentally reconfigured the relationship between capital and labour, between the individual and the state, and between the local community and the emergent global market. The factory system, whatever its extraordinary capacity for generating material wealth, also generated concentrations of misery that contemporaries found both alarming and difficult to theorise adequately within existing moral and political frameworks.

Classical political economists of the period were, on the whole, sanguine about industrialisation's long-run prospects. Figures such as Ricardo and Mill acknowledged the short-term dislocations and the degraded conditions of the labouring poor but maintained that the competitive discipline of the market would, over time, produce efficiencies that would eventually benefit even the lowest strata of society. Their critics, most forcefully Karl Marx, argued that this optimism was structurally naive: capitalism's internal logic of surplus extraction would perpetually reproduce inequality, regardless of aggregate growth, because the very mechanisms of accumulation required the systematic subordination of labour to capital. This debate—between those who view the market as a self-correcting system and those who regard it as inherently exploitative—has never been definitively resolved and continues, in various reformulations, to animate contemporary political economy.

What is less frequently acknowledged in these grand theoretical contests is the degree to which industrialisation's social costs fell disproportionately on those who possessed the least institutional power to resist them: women, children, recent rural migrants, and ethnic minorities. Factory legislation in Britain, for instance, was bitterly contested at every stage by manufacturers who invoked the language of economic liberty to resist what they characterised as parliamentary overreach. The eventual passage of successive Factory Acts, limiting working hours and regulating child labour, represented not the natural evolution of enlightened capitalism but the outcome of organised working-class agitation, journalistic exposure, and the morally motivated interventions of reformers whose leverage derived as much from religious sentiment as from utilitarian calculation.

Contemporary development economists studying the late industrialisation of Asia and Sub-Saharan Africa have been struck by troubling parallels. The export-processing zones of Bangladesh and Cambodia, the mineral extraction enclaves of the Democratic Republic of Congo, and the garment supply chains of Myanmar reproduce, with remarkable fidelity, the structural asymmetries that characterised Victorian Manchester or Gilded Age Pittsburgh. What has changed is the geographical and juridical complexity: the exploitation now occurs across multiple national jurisdictions, coordinated by transnational corporations whose legal residency in low-tax jurisdictions insulates them from the regulatory frameworks of any single nation-state. In this environment, the reformist leverage available to nineteenth-century labour movements—access to a responsive national legislature and a mobilisable electorate within a single sovereign territory—is substantially attenuated.

A. Manufacturers voluntarily accepting ethical responsibilities towards their workers
B. The natural evolution of enlightened capitalist thinking among industrialists
C. A combination of working-class agitation, journalistic exposure, and reformist moral intervention
D. Pressure exerted by international trade partners who threatened economic sanctions

Answer: C

Sol:

Explanation

The correct option is (c). According to the passage, the Factory Acts in Britain resulted from a combination of organised working-class agitation, journalistic exposure, and morally motivated intervention by reformers. The author clearly states that these laws were not the natural outcome of enlightened capitalism.

Context of the passage

Manufacturers resisted factory legislation by using the language of economic liberty and describing parliamentary regulation as overreach. Therefore, legal reform had to be forced through social pressure, exposure of abuses, and moral arguments made by reformers.

Other options are incorrect because

Option A is incorrect because manufacturers did not voluntarily accept ethical responsibilities; they resisted regulation.

Option B is directly contradicted by the passage, which says the Acts were not the natural evolution of enlightened capitalism.

Option D is incorrect because the passage does not mention international trade partners or sanctions in relation to the Factory Acts.

Thus, the Factory Acts were mainly the result of collective agitation, exposure, and reformist moral intervention. So the correct answer is (c)

Q.73 **The author uses the phrase 'structural asymmetries' in the final paragraph to refer to:**

Read the passage carefully and answer the following questions.

In the annals of economic history, few transformations have been as rapid, as sweeping, or as structurally consequential as the industrialisation of agrarian societies in the nineteenth and early twentieth centuries. The movement of populations from subsistence farming communities into densely packed urban manufacturing centres did not simply alter where people lived and how they earned their livelihoods; it fundamentally reconfigured the relationship between capital and labour, between the individual and the state, and between the local community and the emergent global market. The factory system, whatever its extraordinary capacity for generating material wealth, also generated concentrations of misery that contemporaries found both alarming and difficult to theorise adequately within existing moral and political frameworks.

Classical political economists of the period were, on the whole, sanguine about industrialisation's long-run prospects. Figures such as Ricardo and Mill acknowledged the short-term dislocations and the degraded conditions of the labouring poor but maintained that the competitive discipline of the market would, over time, produce efficiencies that would eventually benefit even the lowest strata of society. Their critics, most forcefully Karl Marx, argued that this optimism was structurally naive: capitalism's internal logic of surplus extraction would perpetually reproduce inequality, regardless of aggregate growth, because the very mechanisms of accumulation required the systematic subordination of labour to capital. This debate—between those who view the market as a self-correcting system and those who regard it as inherently exploitative—has never been definitively resolved and continues, in various reformulations, to animate contemporary political economy.

What is less frequently acknowledged in these grand theoretical contests is the degree to which industrialisation's social costs fell disproportionately on those who possessed the least institutional power to resist them: women, children, recent rural migrants, and ethnic minorities. Factory legislation in Britain, for instance, was bitterly contested at every stage by manufacturers who invoked the language of economic liberty to resist what they characterised as parliamentary overreach. The eventual passage of successive Factory Acts, limiting working hours and regulating child labour, represented not the natural evolution of enlightened capitalism but the outcome of organised working-class agitation, journalistic exposure, and the morally motivated interventions of reformers whose leverage derived as much from religious sentiment as from utilitarian calculation.

Contemporary development economists studying the late industrialisation of Asia and Sub-Saharan Africa have been struck by troubling parallels. The export-processing zones of Bangladesh and Cambodia, the mineral extraction enclaves of the Democratic Republic of Congo, and the garment supply chains of Myanmar reproduce, with remarkable fidelity, the structural asymmetries that characterised Victorian Manchester or Gilded Age Pittsburgh. What has changed is the geographical and juridical complexity: the exploitation now occurs across multiple national jurisdictions, coordinated by transnational corporations whose legal residency in low-tax jurisdictions insulates them from the regulatory frameworks of any single nation-state. In this environment, the reformist leverage available to nineteenth-century labour movements—access to a responsive national legislature and a mobilisable electorate within a single sovereign territory—is substantially attenuated.

A. The geographical distance between the nations that produce goods and the nations that consume them
B. The unequal distribution of power and benefit between capital owners and labourers within the industrial system
C. The legal inconsistencies between factory regulations adopted in different countries
D. The difference in cultural attitudes towards labour between Asian countries and Western nations

Answer: B

Sol:

Explanation

The correct option is (b). The phrase **structural asymmetries** refers to the unequal distribution of power and benefit between capital owners and labourers within the industrial system. In the passage, the author compares modern export-processing zones and global supply chains with Victorian Manchester and Gilded Age Pittsburgh to show that the same basic imbalance continues to exist.

Context of the passage

The passage explains that industrialisation generated wealth but also created deep inequality. Workers, especially those with little institutional power, suffered because capital had greater control over wages, working conditions, and legal influence. In the final paragraph, the author argues that modern global capitalism reproduces these older patterns through transnational corporations and weak regulatory control.

Other options are incorrect because

Option A focuses only on geographical distance, but the passage is concerned with power imbalance, not merely distance between producers and consumers.

Adda247 GET IT ON Google Play

Option C mentions legal inconsistencies, which are discussed indirectly, but the phrase **structural asymmetries** is broader and refers mainly to unequal power relations.

Option D talks about cultural attitudes, but the passage does not base the argument on cultural differences between Asian and Western countries.

Therefore, the phrase refers to the unequal structural relationship between labour and capital. So the correct answer is (b)

Q.74 **Why does the author contend that the reformist leverage available to nineteenth-century labour movements is 'substantially attenuated' in the contemporary context?**

Read the passage carefully and answer the following questions.

In the annals of economic history, few transformations have been as rapid, as sweeping, or as structurally consequential as the industrialisation of agrarian societies in the nineteenth and early twentieth centuries. The movement of populations from subsistence farming communities into densely packed urban manufacturing centres did not simply alter where people lived and how they earned their livelihoods; it fundamentally reconfigured the relationship between capital and labour, between the individual and the state, and between the local community and the emergent global market. The factory system, whatever its extraordinary capacity for generating material wealth, also generated concentrations of misery that contemporaries found both alarming and difficult to theorise adequately within existing moral and political frameworks.

Classical political economists of the period were, on the whole, sanguine about industrialisation's long-run prospects. Figures such as Ricardo and Mill acknowledged the short-term dislocations and the degraded conditions of the labouring poor but maintained that the competitive discipline of the market would, over time, produce efficiencies that would eventually benefit even the lowest strata of society. Their critics, most forcefully Karl Marx, argued that this optimism was structurally naive: capitalism's internal logic of surplus extraction would perpetually reproduce inequality, regardless of aggregate growth, because the very mechanisms of accumulation required the systematic subordination of labour to capital. This debate—between those who view the market as a self-correcting system and those who regard it as inherently exploitative—has never been definitively resolved and continues, in various reformulations, to animate contemporary political economy.

What is less frequently acknowledged in these grand theoretical contests is the degree to which industrialisation's social costs fell disproportionately on those who possessed the least institutional power to resist them: women, children, recent rural migrants, and ethnic minorities. Factory legislation in Britain, for instance, was bitterly contested at every stage by manufacturers who invoked the language of economic liberty to resist what they characterised as parliamentary overreach. The eventual passage of successive Factory Acts, limiting working hours and regulating child labour, represented not the natural evolution of enlightened capitalism but the outcome of organised working-class agitation, journalistic exposure, and the morally motivated interventions of reformers whose leverage derived as much from religious sentiment as from utilitarian calculation.

Contemporary development economists studying the late industrialisation of Asia and Sub-Saharan Africa have been struck by troubling parallels. The export-processing zones of Bangladesh and Cambodia, the mineral extraction enclaves of the Democratic Republic of Congo, and the garment supply chains of Myanmar reproduce, with remarkable fidelity, the structural asymmetries that characterised Victorian Manchester or Gilded Age Pittsburgh. What has changed is the geographical and juridical complexity: the exploitation now occurs across multiple national jurisdictions, coordinated by transnational corporations whose legal residency in low-tax jurisdictions insulates them from the regulatory frameworks of any single nation-state. In this environment, the reformist leverage available to nineteenth-century labour movements—access to a responsive national legislature and a mobilisable electorate within a single sovereign territory—is substantially attenuated.

A. Modern workers are less politically motivated and less willing to organise than their Victorian counterparts
B. Transnational corporations operate across multiple jurisdictions, reducing the regulatory power of any single national legislature
C. Contemporary governments are more sympathetic to corporate interests than nineteenth-century parliaments were
D. The decline of trade unionism globally has eliminated the only mechanism through which workers could previously exert pressure

Answer: B

Sol:

Explanation

The correct option is (b). The author says that reformist leverage is **substantially attenuated** today because transnational corporations operate across multiple national jurisdictions. This makes it difficult for any single national legislature to regulate them effectively.

Context of the passage

In the nineteenth century, labour movements could put pressure on a national legislature and a mobilisable electorate within one sovereign territory. In the contemporary global economy, exploitation is spread across countries, while corporations may legally reside in low-tax jurisdictions. This weakens the direct political tools available to workers and reformers.

Other options are incorrect because

Option A is not supported because the passage does not claim that modern workers lack motivation or willingness to organise.

Option C may seem possible, but the passage does not primarily blame contemporary governments' sympathy for corporations; it focuses on the structural complexity of transnational regulation.

Option D is too absolute. The passage does not say that trade unionism has been eliminated globally.

Therefore, the loss of leverage is mainly due to the multi-jurisdictional structure of global corporations. So the correct answer is (b)

Q.75 Which of the following best describes the author's overall stance in this passage?

Read the passage carefully and answer the following questions.

In the annals of economic history, few transformations have been as rapid, as sweeping, or as structurally consequential as the industrialisation of agrarian societies in the nineteenth and early twentieth centuries. The movement of populations from subsistence farming communities into densely packed urban manufacturing centres did not simply alter where people lived and how they earned their livelihoods; it fundamentally reconfigured the relationship between capital and labour, between the individual and the state, and between the local community and the emergent global market. The factory system, whatever its extraordinary capacity for generating material wealth, also generated concentrations of misery that contemporaries found both alarming and difficult to theorise adequately within existing moral and political frameworks.

Classical political economists of the period were, on the whole, sanguine about industrialisation's long-run prospects. Figures such as Ricardo and Mill acknowledged the short-term dislocations and the degraded conditions of the labouring poor but maintained that the competitive discipline of the market would, over time, produce efficiencies that would eventually benefit even the lowest strata of society. Their critics, most forcefully Karl Marx, argued that this optimism was structurally naive: capitalism's internal logic of surplus extraction would perpetually reproduce inequality, regardless of aggregate growth, because the very mechanisms of accumulation required the systematic subordination of labour to capital. This debate—between those who view the market as a self-correcting system and those who regard it as inherently exploitative—has never been definitively resolved and continues, in various reformulations, to animate contemporary political economy.

What is less frequently acknowledged in these grand theoretical contests is the degree to which industrialisation's social costs fell disproportionately on those who possessed the least institutional power to resist them: women, children, recent rural migrants, and ethnic minorities. Factory legislation in Britain, for instance, was bitterly contested at every stage by manufacturers who invoked the language of economic liberty to resist what they characterised as parliamentary overreach. The eventual passage of successive Factory Acts, limiting working hours and regulating child labour, represented not the natural evolution of enlightened capitalism but the outcome of organised working-class agitation, journalistic exposure, and the morally motivated interventions of reformers whose leverage derived as much from religious sentiment as from utilitarian calculation.

Contemporary development economists studying the late industrialisation of Asia and Sub-Saharan Africa have been struck by troubling parallels. The export-processing zones of Bangladesh and Cambodia, the mineral extraction enclaves of the Democratic Republic of Congo, and the garment supply chains of Myanmar reproduce, with remarkable fidelity, the structural asymmetries that characterised Victorian Manchester or Gilded Age Pittsburgh. What has changed is the geographical and juridical complexity: the exploitation now occurs across multiple national jurisdictions, coordinated by transnational corporations whose legal residency in low-tax jurisdictions insulates them from the regulatory frameworks of any single nation-state. In this environment, the reformist leverage available to nineteenth-century labour movements—access to a responsive national legislature and a mobilisable electorate within a single sovereign territory—is substantially attenuated.

A. Enthusiastically celebratory of industrial capitalism's role in generating global prosperity
B. Nostalgically idealistic about pre-industrial agrarian communities and their social harmony
C. Critically analytical, tracing persistent structural inequalities from historical industrialisation to contemporary globalisation
D. Firmly Marxist, rejecting any possibility that regulated capitalism can ever produce equitable outcomes

Answer: C

Sol:

Explanation

The correct option is (c). The author's overall stance is **critically analytical**. The passage does not merely condemn industrial capitalism emotionally; rather, it traces a historical pattern from nineteenth-century industrialisation to contemporary globalised production systems and examines how inequalities persist in new forms.

Context of the passage

The author discusses both sides of the classical debate: the optimism of Ricardo and Mill and the criticism of Marx. The passage then shifts focus to the social costs borne by vulnerable groups and finally compares past industrial exploitation with modern supply chains in Asia and Sub-Saharan Africa. This shows a careful analytical approach.

Other options are incorrect because

Option A is incorrect because the passage is not enthusiastically celebratory; it repeatedly highlights misery, exploitation, and inequality.

Option B is incorrect because the author does not idealise agrarian communities or claim that pre-industrial life was harmonious.

Option D is incorrect because although Marx's criticism is mentioned, the author does not adopt a rigidly Marxist position or reject all possibilities of reform. The discussion is balanced and analytical.

Thus, the best description of the author's tone and stance is critically analytical. So the correct answer is (c)

Q.76 **Find the part of the given sentence that has an error in it. If there is no error, choose 'No error'.**
Your success were short-lived and had disastrous outcomes.

A. No error
B. had disastrous outcomes.
C. short-lived and
D. Your success were

Answer: D

Sol: Option (d) contains the error.
Explanation:
"Success" is a **singular uncountable noun**, so it takes the **singular verb "was,"** not "were."
Correct sentence: Your success **was** short-lived and had disastrous outcomes.
Grammatical Rule Used:
• Uncountable nouns such as success, advice, information are **always singular** and take singular verbs.
Example: His advice **was** very useful.
Information Booster: "Were" is used with plural subjects. "Success" is never plural.

Q.77 **Which of the following options is the most suitable conversion of the following sentence into active voice?**
The heritage manuscripts are preserved by the National Archives for future generations.

A. The National Archives preserves the heritage manuscripts for future generations.
B. The National Archives has preserved the heritage manuscripts for future generations.
C. The National Archives preserved the heritage manuscripts for future generations.
D. The National Archives is preserving the heritage manuscripts for future generations.

Answer: A

Sol: The correct option is (a) **The National Archives preserves the heritage manuscripts for future generations.**
Explanation: The given passive sentence is in the **simple present tense**: **are preserved**. To convert it into active voice, the doer **the National Archives** becomes the subject, and the verb changes into the simple present active form **preserves**. Thus, the correct active form is **The National Archives preserves the heritage manuscripts for future generations.**

Structure:
Passive Voice: **Object + is/am/are + V3 + by + subject**
Active Voice: **Subject + V1/V5 + object**

Why other options are incorrect:

- **B** changes the tense to present perfect.
- **C** changes the tense to simple past.
- **D** changes the tense to present continuous.

Example: The books are arranged by the librarian. → The librarian arranges the books.

Therefore, option (a) is the exact active voice conversion. So the correct answer is (a)

Q.78 **Which of the following options is the most suitable conversion of the following sentence into active voice?**
Will the project have been completed by the research team before the deadline?

A. Has the research team completed the project before the deadline?
B. Is the research team completing the project before the deadline?
C. Will the research team complete the project before the deadline?
D. Will the research team have completed the project before the deadline?

Answer: D

Sol: **Explanation:** The correct option is (d). The passive sentence is in the future perfect passive form: **Will + subject + have been + past participle**. To convert it into active voice, we retain the same tense and make the agent "the research team" the subject. Therefore, the correct active voice is: **Will the research team have completed the project before the deadline?**

Structure:
Passive Voice: Will + object + have been + V3 + by + subject?
Active Voice: Will + subject + have + V3 + object?

Example: Will the report have been finished by the manager? → Will the manager have finished the report?

Why the other options are incorrect:
• **Option A** changes the tense to present perfect.
• **Option B** changes the tense to present continuous.
• **Option C** changes the tense to simple future.
• **Option D** alone preserves the future perfect sense of completion before a future point.

Information Booster: In voice conversion, preserving tense is essential. If the original sentence is future perfect passive, the active sentence must also remain in future perfect. So the correct answer is (d)

Q.79 **Select the most appropriate option to substitute the bracketed segment in the given sentence. If there is no need to substitute it, select 'no substitution required'.**
(Because he has been in custody from last July.) Pickard will now be released in four months.

A. Because he had been in custody from last July,
B. Because he has been in custody since last July,
C. Because he had been under custody from last July,
D. No substitution required

Answer: B

Sol:
The correct substitution is **(b) Because he has been in custody since last July**.
Explanation: "From" is incorrect when referring to a point in time in Present Perfect tense. "Since" is the correct preposition with "has been".
· **Grammatical Rule Used:**
· **Present Perfect Tense** + **since** + specific time = ongoing action from a point in the past to present.
· **Explanation in Hindi:**
· जब कोई कार्य भूतकाल में शुरू होकर अभी तक जारी है, और समय निश्चित है (जैसे July), तो "since" का प्रयोग होता है।
Meanings of the options:
· **(a)** Incorrect tense – "had been" refers to past perfect.
· **Hindi:** यह past perfect है जो यहाँ उपयुक्त नहीं है
· **(b)** Correct tense and preposition.
· **Hindi:** "has been" और "since" का सही प्रयोग
· **(c)** "Under custody" is awkward phrasing.
· **Hindi:** "under custody" औपचारिक नहीं है
· **(d)** Incorrect as it uses "from" with Present Perfect.
· **Hindi:** Present Perfect में "from" का प्रयोग नहीं होता

Q.80 **Choose the word that is the antonym of Enquired.**

A. Asked

B. Answered
C. Questioned
D. Investigated

Answer: B

Sol: The correct option is (b).

Given Word:

Enquired: This means to have asked for information or investigated a matter thoroughly (पूछताछ की).

Example: He enquired about the price of the tickets at the counter.

Correct Answer Word:

Answered: This means to have provided a response to a question or a situation (जवाब दिया).

Example: She answered all the questions correctly during the interview.

Synonyms: Queried, Interrogated, Examined, Probed.
Antonyms: Answered, Replied, Responded, Ignored.

Meanings of all the other given options:

- **Asked:** To say something in order to obtain information (पूछा).
- **Questioned:** To ask someone questions, especially in an official context (सवाल किया).
- **Investigated:** To carry out a systematic or formal inquiry to discover and examine facts (जाँच की).

So the correct answer is (b)

Q.81 किसी संज्ञेय अपराध की सूचना मिलने पर पुलिस द्वारा दर्ज की जाने वाली 'सूचना' को क्या कहते हैं?

A. Case Diary
B. First Information Report (FIR)
C. Charge Sheet
D. Summons

Answer: B

Sol: **सही उत्तर का विश्लेषण: (B) FIR**
जब भी किसी **संज्ञेय (Cognizable)** अपराध—यानी वह गंभीर अपराध जिसमें पुलिस बिना वारंट के गिरफ्तार कर सकती है (जैसे चोरी, हत्या, अपहरण)—की सूचना मिलती है, तो पुलिस सबसे पहले जो दस्तावेज़ तैयार करती है, उसे **FIR** कहते हैं।
2026 का अपडेट: अब भारत में पुराने कानूनों (CrPC) की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) लागू हो चुकी है। अब FIR दर्ज करने की प्रक्रिया और डिजिटल FIR (e-FIR) के प्रावधान और भी स्पष्ट हो गए हैं।
अन्य विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	नाम	क्या होता है?
(A)	**Case Diary**	यह जांच अधिकारी (IO) का अपना दैनिक रिकॉर्ड होता है। इसमें वह लिखता है कि उसने दिन भर जांच में क्या-क्या किया। यह FIR के बाद की प्रक्रिया है।
(C)	**Charge Sheet**	जब पुलिस अपनी पूरी जांच (Investigation) खत्म कर लेती है और उसे सबूत मिल जाते हैं, तब वह इसे **अदालत** में जमा करती है। इसे 'आरोप पत्र' भी कहते हैं।
(D)	**Summons**	यह पुलिस नहीं, बल्कि **न्यायालय (Court)** जारी करता है। यह एक कानूनी बुलावा है जिसमें व्यक्ति को कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया जाता है।

याद रखने योग्य महत्वपूर्ण बातें:

- **FIR:** मामले की शुरुआत (The Beginning).
- **Case Diary:** जांच का ब्यौरा (The Process).
- **Charge Sheet:** जांच का निष्कर्ष (The Conclusion).
- **Summons:** कोर्ट का आदेश (The Call).

यहाँ विस्तृत रूप से प्रशासनिक शब्दों का वर्गीकरण दिया गया है:
1. पुलिस और आपराधिक जाँच (Police & Investigation)

पुलिस कार्यवाही के दौरान अक्सर ये शब्द आपके सामने आते हैं:

- **संज्ञेय अपराध (Cognizable Offense):** वे गंभीर अपराध (जैसे हत्या, डकैती) जिनमें पुलिस बिना वारंट के अपराधी को गिरफ्तार कर सकती है।
- **असंज्ञेय अपराध (Non-Cognizable Offense):** कम गंभीर अपराध जिनमें गिरफ्तारी के लिए कोर्ट के वारंट की आवश्यकता होती है।
- **पंचनामा (Panchnama):** अपराध स्थल पर मौजूद गवाहों के सामने पुलिस द्वारा तैयार किया गया दस्तावेज़।
- **शिनाख्त परेड (Identification Parade):** जब गवाह से संदिग्ध व्यक्ति की पहचान करवाई जाती है।
- **रिमांड (Remand):** जब आरोपी को आगे की पूछताछ के लिए फिर से पुलिस की अभिरक्षा या जेल भेजा जाता है।
- **आरोप पत्र (Charge Sheet):** जांच पूरी होने के बाद पुलिस द्वारा कोर्ट में दाखिल रिपोर्ट, जिसमें आरोपी के खिलाफ सबूतों का विवरण होता है।

2. न्यायालय और विधिक प्रक्रिया (Courts & Legal Process)

अदालती कार्यवाही में प्रयुक्त मुख्य शब्द:

- **हलफनामा (Affidavit):** शपथ पत्र या लिखित बयान जो सत्यता की शपथ लेकर दिया जाता है।
- **याचिकाकर्ता (Petitioner/Appellant):** वह व्यक्ति जो कोर्ट में केस दायर करता है या अपील करता है।
- **प्रतिवादी (Respondent):** वह व्यक्ति जिसके खिलाफ केस दायर किया गया है।
- **स्थगन आदेश (Stay Order/Injunction):** कोर्ट का वह आदेश जो किसी चालू कार्यवाही या काम को अस्थाई रूप से रोक देता है।
- **स्वतः संज्ञान (Suo Motu):** जब कोर्ट किसी घटना पर बिना किसी की शिकायत के खुद ही कार्यवाही शुरू कर दे।
- **न्यायिक समीक्षा (Judicial Review):** कोर्ट द्वारा किसी सरकारी कानून या आदेश की संवैधानिक जाँच करना।
- **दोषमुक्ति (Acquittal):** जब कोर्ट आरोपी को निर्दोष पाकर बाइज्जत बरी कर देता है।

3. सामान्य प्रशासन (General Administration)

सरकारी कार्यालयों और फाइलों में प्रयोग होने वाले शब्द:

- **राजपत्र (Gazette):** सरकार का आधिकारिक सूचना पत्र जिसमें नए कानून, नियुक्तियाँ या घोषणाएँ प्रकाशित होती हैं।
- **कार्यवाहक (Ad-hoc):** किसी विशेष उद्देश्य के लिए या अस्थाई रूप से की गई नियुक्ति।
- **पदेन (Ex-officio):** वह पद जो किसी व्यक्ति को उसके वर्तमान पद के कारण स्वतः मिल जाता है (जैसे उपराष्ट्रपति, राज्यसभा का पदेन सभापति होता है)।
- **कोरम (Quorum):** किसी सभा या मीटिंग को वैध बनाने के लिए उपस्थित सदस्यों की न्यूनतम संख्या (गणपूर्ति)।
- **अनुशासनात्मक कार्यवाही (Disciplinary Action):** नियमों का उल्लंघन करने पर किसी कर्मचारी के खिलाफ की गई विभागीय जांच।
- **सतर्कता (Vigilance):** भ्रष्टाचार या अनियमितताओं को रोकने वाली सरकारी इकाई।

4. राजस्व और भूमि शब्दावली (Revenue & Land Terms)

भूमि संबंधी मामलों में ये शब्द अत्यंत महत्वपूर्ण हैं:

- **नामांतरण (Mutation):** सरकारी रिकॉर्ड में जमीन के मालिकाना हक का बदलना (दाखिल-खारिज)।
- **खसरा (Khasra):** भूमि का एक विशेष नंबर जो उसकी पहचान बताता है।
- **खतौनी (Khatauni):** एक रजिस्टर जिसमें किसी व्यक्ति या परिवार की सभी जमीनों का ब्यौरा होता है।
- **लीज (Lease):** पट्टा या किसी संपत्ति को तय समय के लिए किराए पर देना।

त्वरित संदर्भ तालिका (Quick Glossary)

प्रशासनिक शब्द	अंग्रेजी शब्द	सरल अर्थ
अधिपत्र	**Warrant**	कोर्ट का लिखित आदेश।
न्यायालय अवमानना	**Contempt of Court**	कोर्ट का अपमान करना।
परिवहन	**Transit**	एक स्थान से दूसरे स्थान जाना।
राजस्व	**Revenue**	सरकार की आय (Tax आदि)।

प्रशासनिक शब्द	अंग्रेजी शब्द	सरल अर्थ
अनुसमर्थन	**Ratification**	किसी समझौते की पुष्टि करना।
परिवीक्षा	**Probation**	काम सीखने या जांच की समय अवधि।

Q.82 पुलिस द्वारा सड़क पर सुरक्षा या जाँच के लिए लगाए गए 'अवरोधक' (बैरिकेडिंग) को तकनीकी रूप से क्या कहा जाता है?

A. Fence
B. Boundary
C. Barricade
D. Checkpoint

Answer: C

Sol: **सही उत्तर: विकल्प (C) Barricade**
व्याख्या:
सड़क पर पुलिस द्वारा सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण या वाहनों की जाँच के लिए अस्थायी रूप से लगाए गए ढाँचों को तकनीकी रूप से **'बैरिकेड' (Barricade)** कहा जाता है। यद्यपि बोलचाल में हम इसे 'बैरिकेडिंग' कहते हैं, लेकिन संज्ञा के रूप में उस वस्तु को 'बैरिकेड' ही कहा जाता है।
विकल्पों का विस्तृत विश्लेषण:

विकल्प	शब्द	प्रशासनिक/तकनीकी अर्थ
(A)	**Fence**	यह आमतौर पर किसी संपत्ति या खेत के चारों ओर की जाने वाली स्थायी **घेराबंदी** (बाड़) होती है।
(B)	**Boundary**	इसका अर्थ **सीमा** या सरहद होता है, जो दो क्षेत्रों के बीच की रेखा को दर्शाता है।
(C)	**Barricade**	**सटीक उत्तर:** यह वह भौतिक **अवरोधक** है जिसे पुलिस अस्थायी रूप से रास्ता रोकने के लिए प्रयोग करती है।
(D)	**Checkpoint**	यह वह **स्थान** (नाका) है जहाँ जाँच की प्रक्रिया होती है। बैरिकेड का उपयोग चेकप्वाइंट पर किया जाता है।

अतिरिक्त प्रशासनिक और विधिक शब्दावली (Extensive Glossary)
जैसा कि आपने और अधिक व्यापक जानकारी माँगी थी, यहाँ कुछ और महत्वपूर्ण शब्द दिए गए हैं जो प्रशासनिक और पुलिसिया कामकाज में निरंतर प्रयुक्त होते हैं:
1. गिरफ्तारी और जाँच (Arrest & Inquiry)

- **Detention (नजरबंदी/हिरासत):** किसी व्यक्ति को पूछताछ के लिए कुछ समय तक रोक कर रखना। यह 'Arrest' से थोड़ा अलग होता है क्योंकि इसमें औपचारिक रूप से आरोप दर्ज होना अनिवार्य नहीं होता।
- **Interrogation (पूछताछ):** किसी संदिग्ध से गहराई से और तकनीकी तरीके से सवाल-जवाब करना।
- **Seizure (जब्ती):** किसी अवैध वस्तु या अपराध से संबंधित सामान को सरकारी कब्जे में लेना।
- **Search Warrant (तलाशी वारंट):** किसी के घर या परिसर की तलाशी लेने का अदालती लिखित आदेश।

2. अदालती आदेश (Court Orders)

- **Summons (समन):** कोर्ट द्वारा किसी गवाह या आरोपी को हाजिर होने के लिए भेजा गया लिखित बुलावा।
- **Bailable Offence (जमानती अपराध):** ऐसे अपराध जिनमें आरोपी को अधिकार के रूप में जमानत मिल सकती है।
- **Non-Bailable Offence (गैर-जमानती अपराध):** गंभीर अपराध जिनमें जमानत देना या न देना जज के विवेक पर निर्भर करता है।
- **Ex-parte (एकपक्षीय):** जब अदालत दूसरी पार्टी के आए बिना ही फैसला सुना दे।

3. सरकारी और कार्यालयी शब्द (Official Terms)

- **Gazzetted Officer (राजपत्रित अधिकारी):** वे अधिकारी जिनकी नियुक्ति, पदोन्नति आदि का विवरण सरकारी 'गजट' (राजपत्र) में प्रकाशित होता है।
- **Liaison (संपर्क/तालमेल):** दो विभागों या संस्थाओं के बीच समन्वय स्थापित करना।
- **Discretionary Power (विवेकाधीन शक्ति):** वह शक्ति जहाँ अधिकारी अपने निर्णय स्वयं लेने के लिए स्वतंत्र होता है।
- **Status Quo (यथास्थिति):** किसी मामले में 'जैसी स्थिति है वैसी ही बनाए रखना' (अक्सर कोर्ट के आदेशों में उपयोग होता है)।

Q.83 न्यायालय द्वारा किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के लिए जारी किए गए 'अधिपत्र' को अंग्रेज़ी में क्या कहते हैं?

A. Affidavit
B. Notice
C. Warrant
D. Contract

Answer: C

Sol: **सही उत्तर: विकल्प (C) Warrant**
व्याख्या:
न्यायालय (Court) द्वारा किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करने या किसी विशेष स्थान की तलाशी लेने के लिए जारी किए गए आधिकारिक लिखित आदेश या **'अधिपत्र'** को अंग्रेजी में **'Warrant'** कहा जाता है। इसे अक्सर 'Arrest Warrant' (गिरफ्तारी वारंट) या 'Search Warrant' (तलाशी वारंट) के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	शब्द	हिन्दी अर्थ	विवरण
(A)	**Affidavit**	**शपथ पत्र**	यह एक लिखित बयान होता है जिसे व्यक्ति स्वेच्छा से शपथ लेकर देता है।
(B)	**Notice**	**सूचना**	यह केवल एक जानकारी या चेतावनी होती है, यह अनिवार्य रूप से गिरफ्तारी का आदेश नहीं है।
(C)	**Warrant**	**अधिपत्र**	**सटीक उत्तर:** यह किसी को गिरफ्तार करने का कानूनी अधिकार प्रदान करने वाला पत्र है।
(D)	**Contract**	**अनुबंध / संविदा**	यह दो या दो से अधिक पक्षों के बीच एक कानूनी समझौता होता है।

विस्तृत प्रशासनिक शब्दावली (Administrative & Legal Glossary)
चूँकि आपने व्यापक जानकारी की माँग की थी, यहाँ कुछ और **'हाई-लेवल'** प्रशासनिक शब्द दिए गए हैं जो 2026 की प्रशासनिक परीक्षाओं और सरकारी कामकाज में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं:

1. अदालती प्रक्रिया (Legal Proceedings)

- **Summons (समन):** कोर्ट द्वारा किसी व्यक्ति को साक्ष्य देने या उपस्थित होने के लिए भेजा गया आदेश। (नोट: वारंट और समन में अंतर होता है; समन केवल बुलावा है, जबकि वारंट गिरफ्तारी का आदेश है)।
- **Affirmation (अभिपुष्टि):** शपथ (Oath) का वह विकल्प जो उन लोगों के लिए होता है जो धार्मिक आधार पर शपथ नहीं लेना चाहते।
- **Caveat (कैविएट):** एक पूर्व-सूचना जो कोर्ट में दाखिल की जाती है ताकि कोर्ट बिना सूचित किए कोई एकपक्षीय आदेश न दे।
- **Adjournment (स्थगन):** कोर्ट की कार्यवाही को किसी निश्चित समय या तारीख के लिए रोक देना।

2. प्रशासनिक एवं सरकारी (Official & Government)

- **Protocol (शिष्टाचार / संलेख):** सरकारी कार्यों या विदेशी राजनयिकों के साथ व्यवहार करने के औपचारिक नियम।
- **In-lieu of (के स्थान पर):** किसी चीज़ के बदले में उपयोग होने वाला शब्द।
- **De-facto (वास्तविक):** वह जो वास्तव में सत्ता या पद पर है, भले ही कानूनी रूप से न हो।
- **De-jure (विधिवत):** वह जो कानून की दृष्टि में अधिकार रखता है।
- **Ex-gratia (अनुग्रह राशि):** वह भुगतान जो सरकार किसी कानूनी बाध्यता के बिना, सहानुभूति के तौर पर करती है (जैसे दुर्घटना सहायता)।

3. पद और योग्यता (Position & Qualification)

- **Deputation (प्रतिनियुक्ति):** जब किसी कर्मचारी को उसके मूल विभाग से हटाकर अस्थायी रूप से दूसरे विभाग में भेजा जाता है।
- **Lien (पूर्वाधिकार):** किसी पद पर अपना अधिकार बनाए रखना, भले ही व्यक्ति अस्थायी रूप से कहीं और काम कर रहा हो।
- **Gazetted (राजपत्रित):** वे पद जिनका विवरण सरकारी गजट में आता है और जिन्हें स्वयं के हस्ताक्षर (Attestation) का अधिकार होता है।

याद रखने का सूत्र:

- **समन (Summons)** = आओ (बुलावा)।
- **वारंट (Warrant)** = पकड़ो (आदेश)।
- **शपथ पत्र (Affidavit)** = लिख कर दो कि सब सच है।

Q.84 किस विकल्प में अंग्रेजी पारिभाषिक शब्द का समकक्ष हिन्दी पारिभाषिक शब्द सही है ?

A. Custodian /अभिरक्षक
B. Promotion/पदावनति
C. Contravention / पालन
D. Authentication /स्पट्टीकरण

Answer: A

Sol: **सही उत्तर:** A: Custodian / अभिरक्षक
व्याख्या:
"Custodian" का अर्थ होता है कोई ऐसा व्यक्ति जो किसी संपत्ति या वस्तु की देखभाल या सुरक्षा करता है। इसे हिंदी में **"अभिरक्षक"** कहा जाता है, जो वही कार्य दर्शाता है।

सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	सही/गलत	कारण
A. Custodian / अभिरक्षक	सही	"Custodian" का सही हिंदी समकक्ष "अभिरक्षक" है, जिसका अर्थ है संरक्षक या रखवाला।
B. Promotion / पदावनति	गलत	"Promotion" का सही हिंदी समकक्ष "पदोन्नति" होता है, न कि "पदावनति" (जो नीचे जाने को दर्शाता है)।
C. Contravention / पालन	गलत	"Contravention" का अर्थ होता है उल्लंघन, जबकि "पालन" का अर्थ है पालन करना, जो विपरीत अर्थ है।
D. Authentication / स्पट्टीकरण	गलत	"Authentication" का सही समकक्ष "प्रमाणीकरण" है, न कि "स्पट्टीकरण" (जो स्पष्टीकरण से संबंधित होता है)।

Q.85 निम्नलिखित अव्यवस्थित क्रम वाले वाक्यों को क, ख, ग, घ की संज्ञा दी गई है इन्हें ध्यान से पढ़कर, उचित वाक्य क्रम वाला विकल्प चुनिए:
क - इसके अलावा, चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में निवेश को बढ़ावा दिया जा रहा है।
ख - जो लाखों भारतीयों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करती है।
ग- स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए, 'आयुष्मान भारत' योजना लागू की गई है।
घ - जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ प्रत्येक देशवासी को मिल सके।

A. ख क घ ग
B. ग ख क घ
C. क ग ख घ
D. घ ग ख क

Answer: B

Sol:
सही उत्तर: विकल्प (B) ग ख क घ
व्याख्या: वाक्यों का तार्किक क्रम इस प्रकार है:
1. ग: विषय की शुरुआत 'आयुष्मान भारत' योजना के परिचय से होती है।
2. ख: यह 'योजना' (ग) की विशेषता बता रहा है कि यह सस्ती सेवा प्रदान करती है।
3. क: 'इसके अलावा' शब्द अतिरिक्त प्रयासों (निवेश) को जोड़ रहा है।
4. घ: यह निष्कर्ष है जो पूरे प्रयासों के 'उद्देश्य' (लाभ मिलना) को स्पष्ट करता है।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	'ख' से शुरुआत नहीं हो सकती क्योंकि 'जो' एक आश्रित उपवाक्य है।
(B)	सही उत्तर। ग-ख (योजना और कार्य) और क-घ (अतिरिक्त निवेश और उद्देश्य) का सटीक मेल है।
(C)	'क' (इसके अलावा) से अनुच्छेद शुरू नहीं हो सकता।

(D) 'घ' (जिससे) परिणाम सूचक है, यह आरंभिक वाक्य नहीं हो सकता।

Q.86 निम्नलिखित प्रश्न में, चार विकल्पों में से, उस विकल्प का चयन करें जो शुद्ध शब्द का सही विकल्प है।

A. शूची
B. वीहंगम
C. परिचारक
D. ग्रिहीनी

Answer: C

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (C)
व्याख्या: विकल्प (C) 'परिचारक' की वर्तनी पूर्णतः शुद्ध है। इसका अर्थ 'सेवक' होता है।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प विश्लेषण

(A) शूची: अशुद्ध रूप है। शुद्ध वर्तनी 'शुचि' (पवित्र) होती है।

(B) वीहंगम: अशुद्ध है। शुद्ध वर्तनी 'विहंगम' होती है।

(C) परिचारक: (सही उत्तर) यह वर्तनी की दृष्टि से मानक और शुद्ध शब्द है।

(D) ग्रिहीनी: अशुद्ध है। शुद्ध वर्तनी 'गृहिणी' होती है।

अतिरिक्त जानकारी: हिंदी वर्तनी में 'ऋ' की मात्रा और इ/ई की मात्राओं का प्रयोग उच्चारण के अनुसार अत्यंत महत्वपूर्ण है।

Q.87 निम्न शब्दों में से अशुद्ध शब्द पहचानिए।

A. रचियता
B. पूजनीय
C. आँख
D. नरक

Answer: A

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (A)
व्याख्या:
'रचियता' अशुद्ध शब्द है। इसका शुद्ध रूप 'रचयिता' होता है। पूजनीय, आँख और नरक वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध हैं।
सभी विकल्पों का विस्तृत विश्लेषण:

विकल्प विश्लेषण

(A) रचियता: सही उत्तर। अशुद्ध शब्द (शुद्ध रूप: रचयिता)।

(B) पूजनीय: यह पूर्णतः शुद्ध शब्द है।

(C) आँख: चंद्रबिंदु के साथ यह शुद्ध वर्तनी है।

(D) नरक: यह भी एक शुद्ध शब्द है।

Q.88 दिए गए शब्दों में अशुद्ध वर्तनी का चयन कीजिए।

A. स्थायित्व
B. नीरोग
C. स्वस्थ
D. एक्यता

Answer: D

Sol: **सही उत्तर: विकल्प (D) एक्यता**
व्याख्या:
'एक्यता' शब्द की वर्तनी गलत है। **'एकता'** शब्द **सही** वर्तनी है, जिसका अर्थ होता है **'एक होने की अवस्था'**।
'एकता' शब्द को ही सही रूप में प्रयोग किया जाना चाहिए।
वहीं, अन्य शब्द **'स्थायित्व'**, **'नीरोग'**, और **'स्वस्थ'** सभी सही वर्तनी के हैं।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	"स्थायित्व" – यह सही है, जिसका अर्थ है **स्थिरता** या **स्थिर अवस्था**।
(B)	"नीरोग" – यह सही है, जिसका अर्थ है **स्वस्थ** या **रोगमुक्त**।
(C)	"स्वस्थ" – यह सही है, जिसका अर्थ है **सही स्थिति में या तंदरुस्त** होना।
(D)	"एक्यता" – यह **गलत** है, सही वर्तनी **'एकता'** है, जिसका अर्थ है **एक होने की अवस्था**।

अतिरिक्त जानकारी:
वर्तनी का मतलब है किसी शब्द को सही तरीके से लिखना, जिसमें अक्षरों और मात्राओं का सही उपयोग होता है। **'एकता'** शब्द को **'एक्यता'** के रूप में नहीं लिखा जाता।

Q.89 निम्नलिखित में शुद्ध वाक्य कौन सा है?

A. मैं आपके दर्शन करने आया हूँ।
B. इस बात के कहने में किसी को संकोच न होगा।
C. मैं अपनी बात के स्पष्टीकरण के लिए तैयार हूँ।
D. ऐसी एकाध बातें और देखनें में आती हैं।

Answer: A

Sol: **सही उत्तर: विकल्प (A)**
व्याख्या: हिंदी व्याकरण में 'दर्शन' शब्द हमेशा बहुवचन में प्रयुक्त होता है। अतः 'मैं आपके दर्शन करने आया हूँ' वाक्य पूर्णतः शुद्ध है।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	'दर्शन' शब्द नित्य बहुवचन है, अतः इसके साथ 'करने आया हूँ' का प्रयोग सही है।
(B)	यह अशुद्ध है। शुद्ध रूप होगा - 'यह बात कहने में किसी को संकोच न होगा'।
(C)	यह अशुद्ध है। शुद्ध रूप होगा - 'मैं अपनी बात के स्पष्टीकरण के लिए तैयार हूँ'। इसमें अनावश्यक पदों का प्रयोग है।
(D)	यह अशुद्ध है। 'एकाध' के साथ एकवचन 'बात' का प्रयोग होना चाहिए - 'ऐसी एकाध बात और देखने में आती है'।

अतिरिक्त जानकारी: वाक्य शुद्धि में लिंग, वचन, कारक और पदक्रम का विशेष ध्यान रखना चाहिए। 'दर्शन', 'प्राण', 'आँसू' और 'हस्ताक्षर' जैसे शब्द सदैव बहुवचन में प्रयुक्त होते हैं।

Q.90 निम्नलिखित वाक्य को शुद्ध करें।
वह वाराणसी से वापस लौट आया ।

A. वह वाराणसी से लौट आया।
B. वह वाराणसी से वापस लौट कर आया गया।
C. आप वाराणसी से वापस लौट आया।
D. वे वाराणसी से वापस लौट आया।

Answer: A

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (A)
व्याख्या:
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	विकल्प (A) का विश्लेषण: 'वापस' और 'लौटना' दोनों का अर्थ एक ही है। हिन्दी व्याकरण में एक ही अर्थ वाले दो शब्दों का साथ प्रयोग 'पुनरुक्ति दोष' कहलाता है। अतः 'लौट आया' का प्रयोग शुद्ध है।
(B)	यहाँ 'वापस लौट कर आया गया' में शब्दों की अनावश्यक पुनरावृत्ति है।
(C)	यहाँ 'आप' के साथ 'आया' (एकवचन) क्रिया का प्रयोग अशुद्ध है।
(D)	यहाँ 'वे' (बहुवचन) के साथ 'आया' (एकवचन) क्रिया का प्रयोग अशुद्ध है।

अतिरिक्त जानकारी: इसी प्रकार 'कृपया कर' या 'केवल मात्र' जैसे प्रयोग भी अशुद्ध माने जाते हैं।

Q.91 'गोद लिया हुआ पुत्र' के लिए उपयुक्त शब्द क्या होगा?

A. दत्त
B. दत्तक
C. दत्तचित्त
D. दंपती

Answer: B

Sol: **सही उत्तर: विकल्प (B)**
व्याख्या: वाक्यांश के लिए एक शब्द के अनुसार, जिस पुत्र को वैधानिक रूप से गोद लिया गया हो, उसे 'दत्तक' या 'दत्तक पुत्र' कहा जाता है।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	'दत्त' का अर्थ होता है - दिया हुआ।
(B)	'दत्तक' वह शब्द है जो गोद लिए हुए पुत्र के लिए प्रयुक्त होता है।
(C)	'दत्तचित्त' का अर्थ है - जिसने अपना चित्त (मन) किसी कार्य में पूरी तरह लगा दिया हो।
(D)	'दंपती' का अर्थ है - पति और पत्नी का जोड़ा।

अतिरिक्त जानकारी: प्राचीन हिंदू कानून में दत्तक पुत्र को भी उत्तराधिकार के समान अधिकार प्राप्त होते थे। 'दत्तक ग्रहण' एक महत्वपूर्ण सामाजिक और कानूनी प्रक्रिया है।

Q.92 निम्नलिखित वाक्यांश के लिए सार्थक शब्द का चयन करें। "जिसे भेदा न जा सके।"

A. अमर
B. अभेद्य
C. भेद्य
D. अपरिमेय

Answer: B

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (B) अभेद्य
व्याख्या: 'अ' (नहीं) + 'भेद्य' (भेदे जाने योग्य)। जिसे किसी भी शस्त्र या युक्ति से तोड़ा या भेदा न जा सके, उसे 'अभेद्य' कहते हैं (जैसे— अभेद्य दुर्ग)।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	अमर: जो कभी न मरे।
(B)	अभेद्य: वाक्यांश का सटीक एक शब्द।
(C)	भेद्य: जिसे भेदा जा सके।
(D)	अपरिमेय: जिसे मापा न जा सके (Immeasurable)।

अतिरिक्त जानकारी: महाभारत में 'चक्रव्यूह' को एक अभेद्य रचना माना जाता था जिसे केवल अभिमन्यु और अर्जुन भेदना जानते थे।

Q.93 'साखी' का मूल तत्सम शब्द क्या है ?

A. दिया
B. सिर
C. शिक्षा
D. साक्षी

Answer: D

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (D) साक्षी
व्याख्या: 'तद्भव' शब्द संस्कृत के 'तत्सम' शब्दों के बिगड़े हुए रूप होते हैं।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	दिया: इसका तत्सम 'दीप' या 'दीपक' होता है।
(B)	सिर: इसका तत्सम 'शिर' या 'शीर्ष' होता है।
(C)	शिक्षा: यह स्वयं एक तत्सम शब्द है, जिसका तद्भव 'सीख' होता है।
(D)	विकल्प (D) का विश्लेषण: संस्कृत शब्द 'साक्षी' (गवाह) से ही तद्भव शब्द 'साखी' बना है। कबीरदास की रचनाओं को 'साखी' इसीलिए कहा जाता है क्योंकि वे उनके द्वारा साक्षात देखे गए सत्य (साक्षी) के प्रमाण हैं।

अतिरिक्त जानकारी: नियम— तत्सम का 'क्ष' वर्ण, तद्भव में अक्सर 'ख' या 'छ' में बदल जाता है (जैसे— पक्षी ->पंछी, क्षीर ->खीर)।

Q.94 निम्नलिखित में से कौन-सा 'काटना' का तत्सम है ?

A. कट्टित
B. कटित
C. कर्तन
D. कटन

Answer: C

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (C) कर्तन
व्याख्या:

'काटना' एक तद्भव क्रिया है, जिसका शुद्ध संस्कृत (तत्सम) रूप 'कर्तन' है। इसी से 'कटाई-छँटाई' या वैज्ञानिक संदर्भों में 'कर्तन' शब्द का प्रयोग होता है।
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	कट्टित: अशुद्ध वर्तनी।
(B)	कटित: संस्कृत व्याकरण के अनुसार 'कर्तित' हो सकता है, पर 'कर्तन' मूल रूप है।
(C)	सही उत्तर: 'कर्तन' का अर्थ काटने की क्रिया है।
(D)	कटन: अशुद्ध रूप।

Q.95 'साफल्य' शब्द है:

A. भाववाचक संज्ञा
B. सर्वनाम
C. विशेषण
D. क्रिया विशेषण

Answer: A

Sol:

सही उत्तर: विकल्प (A) भाववाचक संज्ञा
व्याख्या:
सभी विकल्पों का विश्लेषण:

विकल्प	विश्लेषण
(A)	भाववाचक संज्ञा: 'सफल' (विशेषण) में 'य' प्रत्यय जोड़ने पर 'साफल्य' बनता है, जो सफलता के भाव को दर्शाता है।
(B)	सर्वनाम: संज्ञा के स्थान पर आने वाले शब्द (जैसे— मैं, तुम)।
(C)	विशेषण: 'सफल' विशेषण है, 'साफल्य' नहीं।
(D)	क्रिया विशेषण: जो क्रिया की विशेषता बताए (जैसे— सफलतापूर्वक)।

अतिरिक्त जानकारी: जिस संज्ञा शब्द से किसी के गुण, दोष, अवस्था या भाव का बोध हो, वह भाववाचक संज्ञा कहलाती है।

Q.96 प्राचीनकाल में कौन-सा देश विश्व में शिक्षा और संस्कृति का प्रमुख केंद्र था?
अवतरण को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों को पढ़िए। प्रश्नों के उत्तर चार विकल्पों में दिए गए हैं। समुचित उत्तर चुनिए ।
प्राचीन समय में भारत विश्व में शिक्षा और संस्कृति का प्रमुख केंद्र होता था। देश-विदेश के विद्यार्थी यहाँ शिक्षा प्राप्त करने आते थे। प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत विद्यार्थी को पुस्तकीय ज्ञान और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ उसे शारीरिक शिक्षा भी दी जाती थी। उसे युद्ध-कौशल सिखाया जाता था। इस प्रकार प्राचीन शिक्षण संस्थाएँ या आश्रम विद्यार्थी के चहुंमुखी विकास पर ध्यान देता था। आज स्थिति बिलकुल भिन्न है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली सिर्फ डिग्रीधारी बेरोजगारों की भीड़ उत्पन्न कर रही है। आज के अधिकांश युवा शिक्षा पाकर भी स्वावलंबी नहीं बन पाते। उनके हृदय में देश और समाज के प्रति दायित्व बोध नहीं होता। वर्तमान शिक्षा प्रणाली युवाओं में राष्ट्र गौरव की भावना उत्पन्न करने में असफल रही है। समय-समय पर भारत की नीति पर भी ध्यान देना जरूरी है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत इसी बात को ध्यान में रखते हुए शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों के नैतिक, मानसिक और शारीरिक विकास पर बल देने का प्रयास किया गया है। अब नवीन शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत विद्यार्थियों को जाति, धर्म और भाषा के संकुचित दायरे से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली पर बल दिया जा रहा है, ताकि शिक्षित लोगों को रोजगार मिल सके।

A. चीन
B. अमेरिका
C. रूस
D. भारत

Answer: D

Sol: **उत्तर:** (d) भारत
व्याख्या: प्राचीन समय में भारत शिक्षा और संस्कृति का प्रमुख केंद्र था। यहाँ के शिक्षण संस्थाओं और आश्रमों में लोग ज्ञान प्राप्त करने के लिए आते थे।

Q.97 प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत विद्यार्थी को दिया जाता था-
अवतरण को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों को पढ़िए। प्रश्नों के उत्तर चार विकल्पों में दिए गए हैं। समुचित उत्तर चुनिए ।
प्राचीन समय में भारत विश्व में शिक्षा और संस्कृति का प्रमुख केंद्र होता था। देश-विदेश के विद्यार्थी यहाँ शिक्षा प्राप्त करने आते थे। प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत विद्यार्थी को पुस्तकीय ज्ञान और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ उसे शारीरिक शिक्षा भी दी जाती थी। उसे युद्ध-कौशल सिखाया जाता था। इस प्रकार प्राचीन शिक्षण संस्थाएँ या आश्रम विद्यार्थी के चहुंमुखी विकास पर ध्यान देता था। आज स्थिति बिलकुल भिन्न है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली सिर्फ डिग्रीधारी बेरोजगारों की भीड़ उत्पन्न कर रही है। आज के अधिकांश युवा शिक्षा पाकर भी स्वावलंबी नहीं बन पाते। उनके हृदय में देश और समाज के प्रति दायित्व बोध नहीं होता। वर्तमान शिक्षा प्रणाली युवाओं में राष्ट्र गौरव की भावना उत्पन्न करने में असफल रही है। समय-समय पर भारत की नीति पर भी ध्यान देना जरूरी है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत इसी बात को ध्यान में रखते हुए शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों के नैतिक, मानसिक और शारीरिक विकास पर बल देने का प्रयास किया गया है। अब नवीन शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत विद्यार्थियों को जाति, धर्म और भाषा के संकुचित दायरे से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली पर बल दिया जा रहा है, ताकि शिक्षित लोगों को रोजगार मिल सके।

A. पुस्तकीय ज्ञान
B. आध्यात्मिक ज्ञान
C. शारीरिक शिक्षा
D. उपरोक्त सभी

Answer: D

Sol: **उत्तर:** (d) उपरोक्त सभी
व्याख्या: प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों को पुस्तकीय ज्ञान, आध्यात्मिक ज्ञान और शारीरिक शिक्षा दी जाती थी। उन्हें युद्धकौशल और अन्य जीवन कौशल भी सिखाए जाते थे।

Q.98 प्राचीन शिक्षण संस्थाएँ किस पर ध्यान देती थीं?
अवतरण को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों को पढ़िए। प्रश्नों के उत्तर चार विकल्पों में दिए गए हैं। समुचित उत्तर चुनिए ।
प्राचीन समय में भारत विश्व में शिक्षा और संस्कृति का प्रमुख केंद्र होता था। देश-विदेश के विद्यार्थी यहाँ शिक्षा प्राप्त करने आते थे। प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत विद्यार्थी को पुस्तकीय ज्ञान और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ उसे शारीरिक शिक्षा भी दी जाती थी। उसे युद्ध-कौशल सिखाया जाता था। इस प्रकार प्राचीन शिक्षण संस्थाएँ या आश्रम विद्यार्थी के चहुंमुखी विकास पर ध्यान देता था। आज स्थिति बिलकुल भिन्न है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली सिर्फ डिग्रीधारी बेरोजगारों की भीड़ उत्पन्न कर रही है। आज के अधिकांश युवा शिक्षा पाकर भी स्वावलंबी नहीं बन पाते। उनके हृदय में देश और समाज के प्रति दायित्व बोध नहीं होता। वर्तमान शिक्षा प्रणाली युवाओं में राष्ट्र गौरव की भावना उत्पन्न करने में असफल रही है। समय-समय पर भारत की नीति पर भी ध्यान देना जरूरी है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत इसी बात को ध्यान में रखते हुए शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों के नैतिक, मानसिक और शारीरिक विकास पर बल देने का प्रयास किया गया है। अब नवीन शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत विद्यार्थियों को जाति, धर्म और भाषा के संकुचित दायरे से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली पर बल दिया जा रहा है, ताकि शिक्षित लोगों को रोजगार मिल सके।

A. विद्यार्थी के व्यावहारिक विकास पर।
B. विद्यार्थी के चहुमुखी विकास पर।
C. विद्यार्थी के स्वास्थ्य पर।
D. विद्यार्थी के पुस्तकीय ज्ञान पर।

Answer: B

Sol: **उत्तर:** (b) विद्यार्थी के चहुमुखी विकास पर।
व्याख्या: प्राचीन शिक्षण संस्थाएँ विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास पर ध्यान देती थीं, ताकि उनका समग्र विकास हो सके।

Q.99 वर्तमान शिक्षा प्रणाली दोषपूर्ण है क्योंकि-
अवतरण को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों को पढ़िए। प्रश्नों के उत्तर चार विकल्पों में दिए गए हैं। समुचित उत्तर चुनिए ।
प्राचीन समय में भारत विश्व में शिक्षा और संस्कृति का प्रमुख केंद्र होता था। देश-विदेश के विद्यार्थी यहाँ शिक्षा प्राप्त करने आते थे। प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत विद्यार्थी को पुस्तकीय ज्ञान और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ उसे शारीरिक शिक्षा भी दी जाती थी। उसे युद्ध-कौशल सिखाया जाता था। इस प्रकार प्राचीन शिक्षण संस्थाएँ या आश्रम विद्यार्थी के चहुंमुखी विकास पर ध्यान देता था। आज स्थिति बिलकुल भिन्न है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली सिर्फ डिग्रीधारी बेरोजगारों की भीड़ उत्पन्न कर रही है। आज के अधिकांश युवा शिक्षा पाकर भी स्वावलंबी नहीं बन पाते। उनके हृदय में देश और समाज के प्रति दायित्व बोध नहीं होता। वर्तमान शिक्षा प्रणाली युवाओं में राष्ट्र गौरव की भावना उत्पन्न करने में असफल रही है। समय-समय पर भारत की नीति पर भी ध्यान देना जरूरी है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत इसी बात को ध्यान में रखते हुए शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों के नैतिक, मानसिक और शारीरिक विकास पर बल देने का प्रयास किया गया है। अब नवीन शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत विद्यार्थियों को जाति, धर्म और भाषा के संकुचित दायरे से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली पर बल दिया जा रहा है, ताकि शिक्षित लोगों को रोजगार मिल सके।

A. डिग्रीधारी बेरोजगारों की भीड़ हो गई है।
B. विद्यार्थी में किसी प्रकार का कर्तव्य बोध नहीं होता।
C. विद्यार्थी प्राचीन परंपराओं का सम्मान नहीं करते।
D. उपरोक्त सभी

Answer: A

Test Prime By Adda247

Previous Year Papers PDF

PRACTICE MORE, SCORE HIGHER!

PDF

Free 25,000+ PDF's

High-Quality | Exam-Wise | Updated Regularly

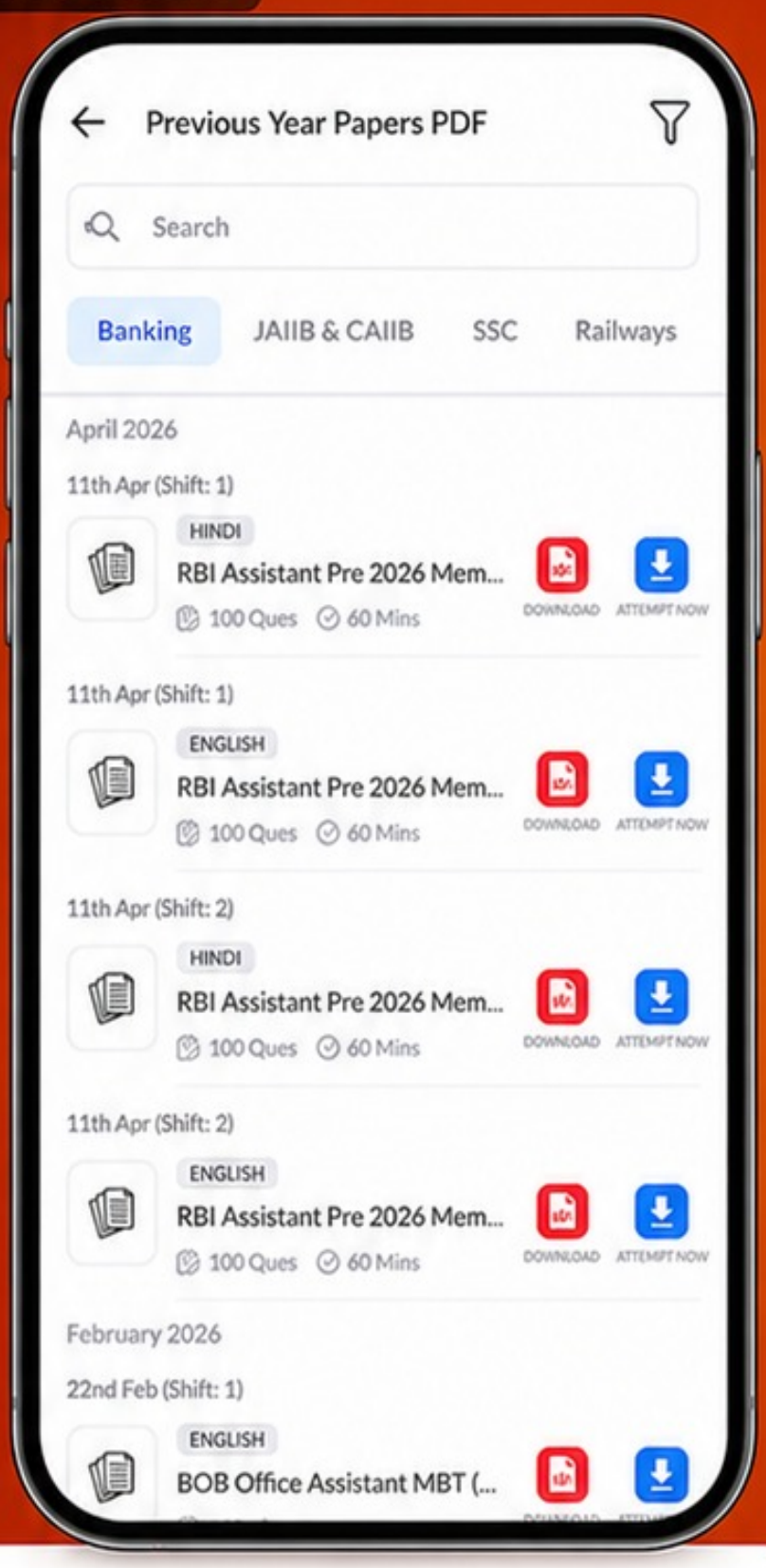

ATTEMPT AS MOCK

Turn PDFs into real exam experience.
Analyze. Improve. Succeed.

- Topic-wise & Exam-wise PDFs
- Download & Study Offline
- Attempt as Mock & Track Score
- Smart Analysis & Performance

AVAILABLE IN

Banking | SSC | Railway | Teaching | UGC | Agriculture | Nursing

Bihar | UP | Punjab | WB | Odisha | TN | AP & Telangana | Haryana

DOWNLOAD THE APP

Adda247 GET IT ON Google Play

Sol: **उत्तर:** (a) डिग्रीधारी बेरोजगारों की भीड़ हो गई है।
व्याख्या: वर्तमान शिक्षा प्रणाली केवल डिग्री प्राप्त करने पर जोर देती है, जिससे डिग्रीधारी बेरोजगारों की संख्या बढ़ रही है और युवाओं को रोजगार प्राप्त करने में कठिनाई हो रही है।

Q.100 नवीन शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा पर बल दिया जा रहा है ताकि-
अवतरण को पढ़ कर दिए गए प्रश्नों को पढ़िए। प्रश्नों के उत्तर चार विकल्पों में दिए गए हैं। समुचित उत्तर चुनिए ।
प्राचीन समय में भारत विश्व में शिक्षा और संस्कृति का प्रमुख केंद्र होता था। देश-विदेश के विद्यार्थी यहाँ शिक्षा प्राप्त करने आते थे। प्राचीन भारतीय शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत विद्यार्थी को पुस्तकीय ज्ञान और आध्यात्मिक ज्ञान प्रदान करने के साथ-साथ उसे शारीरिक शिक्षा भी दी जाती थी। उसे युद्ध-कौशल सिखाया जाता था। इस प्रकार प्राचीन शिक्षण संस्थाएँ या आश्रम विद्यार्थी के चहुंमुखी विकास पर ध्यान देता था। आज स्थिति बिलकुल भिन्न है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली सिर्फ डिग्रीधारी बेरोजगारों की भीड़ उत्पन्न कर रही है। आज के अधिकांश युवा शिक्षा पाकर भी स्वावलंबी नहीं बन पाते। उनके हृदय में देश और समाज के प्रति दायित्व बोध नहीं होता। वर्तमान शिक्षा प्रणाली युवाओं में राष्ट्र गौरव की भावना उत्पन्न करने में असफल रही है। समय-समय पर भारत की नीति पर भी ध्यान देना जरूरी है। नई शिक्षा नीति के अंतर्गत इसी बात को ध्यान में रखते हुए शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थियों के नैतिक, मानसिक और शारीरिक विकास पर बल देने का प्रयास किया गया है। अब नवीन शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत विद्यार्थियों को जाति, धर्म और भाषा के संकुचित दायरे से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा प्रणाली पर बल दिया जा रहा है, ताकि शिक्षित लोगों को रोजगार मिल सके।

A. राष्ट्र का विकास हो सके।
B. शिक्षितों को रोजगार मिल सके।
C. विद्यार्थी का नैतिक, शारीरिक तथा मानसिक विकास हो।
D. वैश्विकता।

Answer: B

Sol: **उत्तर:** (b) शिक्षितों को रोजगार मिल सके।
व्याख्या: नवीन शिक्षा प्रणाली में व्यावसायिक शिक्षा को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, ताकि विद्यार्थियों को रोजगार मिलने के अवसर बढ़ें और वे आत्मनिर्भर बन सकें।

Adda247